बर्षः- 05
अंकः- 348
मुरादाबाद
(Monday)
13 April 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन
क्यूँ न लिखूँ सच
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नहीं रहीं सुरों की मल्लिकाः आशा भोसले का निधन, देशभर में शोक;पीएम मोदी समेत कई नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

महान गायिका आशा भोसले के निधन पर देशभर में शोक की लहर है। पीएम मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुंबई के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी समेत कई नेताओं ने गहरा दुख जताते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दीआज रविवार को भारतीय संगीत जगत को गहरा आघात लगा है। सुरों की दुनिया पर दशकों तक राज करने वाली महान गायिका आशा भोसले के निधन से देशभर में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके जाने से संगीत का एक स्वर्णिम युग मानो थम सा गया है।पीएम मोदी का शोक संदेश - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रख्यात गायिका आशा भोसले के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आशा भोसले भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाज़ों में से एक थीं, जिनकी संगीत यात्रा ने दशकों तक भारतीय सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध किया। पीएम मोदी ने कहा कि उनके भावपूर्ण गीतों

और जीवंत संगीत ने दुनिया भर में लाखों दिलों को छुआ। उन्होंने आशा जी के साथ हुई अपनी मुलाकातों को हमेशा यादगार बताया और कहा कि उनका योगदान आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार, प्रशंसकों तथा संगीत प्रेमियों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं।राजनाथ सिंह ने जताया शोक- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आशा भोसले के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि आशा भोसले की आवाज ने कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और उनके गीत हमेशा लोगों के दिलों में गूंजते रहेंगे। उन्होंने इसे संगीत जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताते हुए शोक संतप्त परिवार और उनके करोड़ों प्रशंसकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। आशा भोसले के निधन पर नितिन गडकरी का भावुक संदेश- भारतीय संगीत जगत की महान गायिका आशा भोसले के निधन पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इसे देश के संगीत क्षेत्र के लिए एक बड़ी और अपूरणीय क्षति बताया। नितिन गडकरी ने कहा कि पद्म विभूषण से सम्मानित आशा भोसले ने अपनी अद्वितीय प्रतिभा से संगीत की दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनके साथ उनके व्यक्तिगत और पारिवारिक संबंध भी रहे, जिससे यह क्षति उनके लिए और अधिक भावुक कर देने वाली है।उन्होंने कहा कि %नया दौर%, %तीसरी मंजिल%, %हरे रामा हरे कृष्णा%, %उमराव जान', %इजाजत% और %रंगीला% जैसी फिल्मों के गीतों को आशा भोसले ने अपनी आवाज से अमर बना दिया। एक प्लेबैक सिंगर के रूप में उन्होंने अनेक यादगार गाने दिए, जो आज भी लोगों की जुबान पर हैं। गडकरी ने कहा कि आशा भोसले का योगदान सिर्फ एक दौर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उनकी आवाज कई पीढ़ियों तक लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी। संगीत के क्षेत्र में उनका 'स्वर' हमेशा अमर रहेगा। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को संबल देने की कामना की और भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संगीत जगत को अपूरणीय क्षति-पीयूष गोयल- केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि मधुर वाणी और अद्वितीय गायकी की प्रतिमूर्ति दीदी आशा भोसले जी ने दशकों तक भारतीय संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उनकी आवाज केवल सुरों का संगम नहीं, बल्कि भावनाओं का ऐसा अनकहा रिश्ता है जिसे शब्दों में बांध पाना संभव नहीं है। एक ऐसा जुड़ाव जो हर दिल में सदा जीवित रहेगा। उनके गाए गीत आने वाली पीढ़ियों तक यूं ही गूंजते रहेंगे। यह क्षण उनके परिवार, कला जगत से जुड़े सभी लोगों और करोड़ों प्रशंसकों के लिए अत्यंत भावुक और अपूरणीय क्षति का है। मैं सभी के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूँ। मां सरस्वती दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को इस दु:ख को सहने की शक्ति दें। %वह अमर हैं, हमेशा रहेंगी%- केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने भी गहरा दुख जताते हुए कहा कि आशा भोसले की आवाज के साथ ही उनकी पीढ़ी बड़ी हुई। उन्होंने भावुक अंदाज में कहा कि वह केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि अमर विरासत हैं, जो हमेशा लोगों के बीच जीवित रहेंगी। उन्होंने उनके मशहूर गीत की पंक्ति का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी आवाज कभी खत्म नहीं होगी, बल्कि हमेशा लोगों के दिलों में गूंजती रहेगी। आशा भोसले के निधन पर देवेंद्र फडणवीस हुए भावुक- महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने महान गायिका आशा भोसलेके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि आशा ताई के जाने से संगीत जगत को अपूरणीय क्षति हुई है और सुरों का एक खूबसूरत बाग आज सूना हो गया है। फडणवीस ने कहा कि पद्म विभूषण और महाराष्ट्र भूषण से सम्मानित आशा भोसले का जाना बेहद दुखद है। लता मंगेशकर के बाद मंगेशकर परिवार का एक और चमकता सितारा हमेशा के लिए खो गया है। उन्होंने आशा भोसले की बहुमुखी प्रतिभा को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भक्ति गीतों से लेकर गजल, शास्त्रीय, लोक, पॉप और फिल्मी संगीत तक हर शैली में अपनी अलग पहचान बनाई। 12,000 से अधिक गीतों को अपनी आवाज देने वाली आशा ताई ने 20 से अधिक भाषाओं में गाकर संगीत की दुनिया में अनोखा मुकाम हासिल किया। फडणवीस ने हाल ही में हुई एक मुलाकात का जिक्र करते हुए बताया कि एक कार्यक्रम में आशा ताई ने उनसे %अभी ना जाओ छोड़कर% गाने का आग्रह किया था और मजाक में कहा था कि उन्होंने मुख्यमंत्री से गाना गवा लिया। सुरों की जादूगरनी को श्रद्धांजलि- पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए कहा कि आशा भोसले एक ऐसी महान कलाकार थीं, जिन्होंने पीढ़ियों तक लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने बंगाली गीतों के जरिए भी बंगाल में अपार लोकप्रियता हासिल की थी। वर्ष 2018 में उन्हें राज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'बंगविभूषण' भी प्रदान किया गया था।सुवेंदु अधिकारी ने भी जताया दुख- पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने उन्हें %मेलोडी की महारानी% बताते हुए कहा कि उनकी आवाज ने भारतीय सिनेमा के कई दौरों को परिभाषित किया। उन्होंने कहा कि आशा भोसले का योगदान अतुलनीय और अपूरणीय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। %मेरी जिंदगी की संपत्ति चली गई%- महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आशीष शेलार ने भावुक शब्दों में कहा कि आशा ताई के जाने से उन्होंने अपनी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी खो दी है। उन्होंने बताया कि आशा भोसले ने हर शैली (भजन, लावणी, फिल्मी गीत, अभंग) में अपनी अद्भुत आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। बहुभाषी गायन की अद्वितीय पहचान- आशा भोसले का करियर लगभग पांच दशक लंबा रहा। इस दौरान उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक यादगार गाने दिए। सबसे खास बात कि अपने इतने लंबे करियर के दौरान आशा भोसल ने अलग-अलग दौर के कई दिग्गज संगीतकारों के साथ काम किया और कईयों के साथ उनकी जोड़ी काफी हिट रही। इस लिस्ट में शंकर-जयकिशन, खैय्याम, रवि, सचिन देव बर्मन, आरडी बर्मन, ओपी नैय्यर, इलैयाराजा, बप्पी लहरी और ए.आर रहमान जैसे दिग्गजों के नाम शामिल हैं। उन्होंने फिल्मों के अलावा म्यूजिक एल्बम में और कई सिंगल सॉन्ग भी गाए। आशा भोसले की महानता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने हिंदी के अलावा कुल 20 भारतीय और विदेशी भाषाओं में गाने गाए थे। साल 2006 में खुद आशा भोसले ने बताया था कि उन्होंने 12 हजार गाने गाए हैं। यही नहीं आशा भोसले ग्रैमी अवॉर्ड के लिए नामित होने वाली पहली भारतीय गायिका भी हैं। यही कारण है कि वे भारतीय ही नहीं, वैश्विक संगीत जगत की भी प्रतिष्ठित आवाज बनीं।

संक्षिप्त समाचार

मुद्रा लोन घोटाले में यूनियन बैंक मैनेजर गिरफ्तार, करोड़ों की ठगी का खुलासा; इस तरह चलाते थे नेटवर्क

मुद्रा लोन योजना में फर्जी दस्तावेजों से करोड़ों का घोटाला करने वाले बैंक शाखा प्रबंधक को एसटीएफ ने दिल्ली से गिरफ्तार किया। गिरोह ने 100 से ज्यादा लोगों के नाम पर फर्जी लोन पास कराए। जांच में बैंक कर्मियों और अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आई है।एसटीएफ ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए मुद्रा लोन योजना में करोड़ों रुपये का घोटाला करने वाले यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक नितिन चौधरी को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ एएसपी विशाल विक्रम के मुताबिक, आरोपी नितिन चौधरी मूलरूप से आजमगढ़ का निवासी है। वर्तमान में दिल्ली में बैंक में तैनात था। उसके पास से मोबाइल फोन, आधार कार्ड, क्रेडिट कार्ड, मेट्रो कार्ड और नकदी बरामद हुई है।जांच में सामने आया कि यह एक संगठित गिरोह चलाता है, जिसमें बैंक कर्मियों के साथ फर्जी दस्तावेज बनाने वाले भी शामिल हैं। गिरोह ने करीब 100 लोगों के नाम पर फर्जी तरीके से मुद्रा लोन पास कराकर करोड़ों रुपये हड़प लिए।ऐसे करते थे धोखाधड़ी- पूछताछ में आरोपी ने बताया कि लोगों के आधार व पैन कार्ड पर लगी फोटो एडिट कर दूसरे व्यक्तियों की फोटो लगाई जाती थी और उनके नाम से फर्जी कंपनियां बनाकर लोन पास कराया जाता था। लोन की रकम गिरोह द्वारा बनाए

संसद के विशेष सत्र पर विवादः खरगे का केंद्र पर बड़ा हमला, कहा- महिला आरक्षण को बिना चर्चा थोप रही मोदी सरकार

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसके साथ ही केंद्र सरकार को एक सुझाव भी दिया। जिसमें उन्होंने कहा कि अगर सरकार सच में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है, तो 29 अप्रैल के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलाकर इस पूरे मुद्दे पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए।कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर संसद के विशेष सत्र और महिला आरक्षण कानून को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह विशेष सत्र बिना विपक्ष को भरोसे में लिए बुलाया है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया के खिलाफ है। खरगे ने अपने पत्र में लिखा कि सरकार महिला आरक्षण कानून यानी नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को जल्दबाजी में लागू करना चाहती है और इसके पीछे राजनीतिक फायदा लेने की मंशा नजर आती है। उन्होंने यह भी कहा कि

सरकार विपक्ष से सहयोग तो मांग रही है, लेकिन सबसे अहम मुद्दे, डिलिमिटेशन, पर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे रही है। ऐसे में बिना पूरी जानकारी के इस कानून पर सार्थक चर्चा करना संभव नहीं है।उन्होंने याद दिलाया कि यह कानून सितंबर 2023 में संसद से सर्वसम्मति से पास हुआ था और उस समय कांग्रेस ने इसकी तुरंत लागू करने की मांग की थी। लेकिन अब करीब 30 महीने बाद सरकार अचानक विशेष सत्र बुला रही है, यह भी कहा कि सरकार का यह दावा सही नहीं है कि उसने सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर चर्चा की है। उनके मुताबिक, विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि मौजूदा चुनाव खत्म होने के बाद एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए, ताकि डिलिमिटेशन और कानून में होने वाले संवैधानिक बदलावों पर विस्तार से चर्चा हो सके। उन्होंने चिंता जताई कि संसद का यह विशेष सत्र ऐसे समय बुलाया गया है जब कई राज्यों में चुनाव चल रहे हैं। इससे यह संदेश जाता है कि सरकार महिला आरक्षण कानून को जल्द लागू कर राजनीतिक लाभ लेना चाहती है, न कि वास्तव में महिलाओं को सशक्त बनाना। पुराने मुद्दों का खरगे ने दिया हवाला- खरगे ने अपने पत्र में सरकार के पिछले फैसलों, जैसे नोटबंदी, जीएसटी, जनगणना और राज्यों से जुड़े मुद्दों, का हवाला देते हुए कहा कि इन मामलों में सरकार का रिकॉर्ड भरोसा पैदा नहीं करता। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन का असर केंद्र और राज्यों दोनों पर पड़ेगा

खीरी में सीएम योगी बोलेः सच्चा शासन वही, जहां प्रजा सुखी रहे;सैफई और परिवारवाद का जिक्र कर विपक्ष पर बरसे

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को लखीमपुर खीरी के दौरे पर पहुंचे। उन्होंने पलियाकलां तहसील के थारू क्षेत्र चंदनचौकी में थारू जनजाति के परिवारों को जमीन के मालिकाना हक संबंधी अधिकार पत्र सौंपे। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पलियाकलां के चंदनचौकी पहुंचे। यहां उन्होंने न केवल विकास की बयार बहाई, बल्कि दशकों से अपने हक का इंतजार कर रहे थारू जनजाति के परिवारों को जमीन का पूर्ण स्वामित्व (मालिकाना हक) सौंपा। सीएम योगी ने पलिया तहसील के 34 गांवों

के 4356 थारू परिवारों को 538 हेक्टेयर जमीन के स्वामित्व संबंधी अधिकार पत्र दिए। 1976 से ये परिवार सिर्फ जमीन का उपयोग कर रहे थे, अब वे इसके मालिक बन गए हैं। इसके अलावा विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी योजनाएं शामिल हैं। जनता को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने श्लोक सुनाया। कहा कि प्रजा सुखे सुखं राज्ञः प्रजानां च हिते हितम्... यानि सच्चा शासन वही है, जहां प्रजा सुखी रहे। राज्य की जनता का कल्याण हो। शासन की खुशी का आधार उसकी जनता की खुशी है। यह कार्य तभी होता है जब शासन सत्ता में संवेदना होती है। बिना भेदभाव के काम हो। आज जो काम हो रहा है ये उसी संवेदना का काम है।मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारों में संवेदनाओं का अभाव था। अपने परिवारवाद से ऊपर उठ पाते तो इन थारू परिवारों के बारे में सोच पाते, लेकिन जिनको समाज को बांटने से फुसरत न हो, सदैव बांटने का काम किया हो। जिन्होंने आपके संसाधन और हकों पर डकैती डालने का काम किया होगा। उनसे यह उम्मीद करना है कि वे आपको आपका अधिकार दिलाएंगे

सिलीगुड़ी में पीएम मोदी की हुंकारः बोले- चार मई के बाद बनेगी भाजपा सरकार, टीएमसी को देना होगा पाई-पाई का हिसाब

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिलीगुड़ी की रैली में टीएमसी पर तीखा हमला करते हुए दावा किया कि चार मई के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि नई सरकार बनने के बाद टीएमसी को पिछले पंद्रह वर्षों के हर पल और पाई-पाई का हिसाब देना होगा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सिलीगुड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (झस्ष्ट) सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के लोगों ने

हमेशा उन्हें भरपूर प्यार दिया है और कल के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब यह साफ करता है कि बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार बंगाल से टीएमसी का जाना तय है।प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार के 15 साल के शासन में बंगाल सिर्फ बर्बाद हुआ है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जो युवा आज पहली बार वोट देने जा रहे हैं, वे बंगाल का भविष्य तय करें। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने 15 वर्षों में कोई काम नहीं किया, बल्कि सिर्फ काले कारनामे किए हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी को नॉर्थ बंगाल का प्रवेश द्वार बताते हुए कहा कि टीएमसी ने जान-बूझकर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री और टूरिज्म को पीछे रखा। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, उसे सिंडिकेट वाले हजम कर गए।पीएम मोदी ने टीएमसी पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निर्मम सरकार ने मदरसों के लिए तो 6,000 करोड़ रुपये का बजट दिया, लेकिन नॉर्थ बंगाल के विकास के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब नॉर्थ बंगाल बारिश और तबाही से जूझ रहा था, तब टीएमसी सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। पीएम ने टीएमसी को नॉर्थ बंगाल, आदिवासी, चाय-बागान, महिला और युवा विरोधी पार्टी बताया।भ्रष्टाचार पर कड़ा रुख अपनाते हुए प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी, टीएमसी वाले कान खोलकर सुन लें, चार मई के बाद बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी और उन्हें पिछले 15 वर्षों के पल-पल और पाई-पाई का हिसाब देना होगा। सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि सिलीगुड़ी कॉरिडोर मां भारती की भुजा है, लेकिन टीएमसी ने तुष्टिकरण के लिए उन टुकड़े-टुकड़े गैंग का समर्थन किया जो नॉर्थ-ईस्ट को देश से अलग करने की धमकी देते हैं।

संपादकीय Editorial

A ceasefire in jeopardy

Both sides must understand that a ceasefire is essential not only for themselves or West Asia, but for the entire world. The global economy is facing a deep crisis due to the blockage of the Strait of Hormuz. The US-Iran ceasefire is in jeopardy due to Israeli attacks. The closure of the Strait of Hormuz poses a crisis to the global economy.

Pakistan's mediation has failed, a credible solution is needed. It is disappointing and worrying that the ceasefire agreed between the US and Iran after 40 days of fighting appears to be falling apart even before it can be implemented. This is because Israeli attacks in Lebanon have not stopped. Israel says that stopping attacks on Lebanon was not part of the ceasefire agreement. The US also says the same, but Iran disagrees and has backed out from opening the Strait of Hormuz. It is clear that if Israel's attacks on Lebanon continue, the ceasefire agreed upon through Pakistan's alleged mediation, which brought a sigh of relief to the world, will not be implemented. Its chances of implementation appear slimmer because Iran is targeting Gulf countries in response to Israel's attacks on Lebanon, and the US is threateningly declaring its forces ready to attack Iran if the ceasefire is not implemented. The tenuous state of the ceasefire is also evident from the fact that the Iranian delegation scheduled to arrive in Islamabad for talks is currently undecided. Amidst all this, the US and Iran are making differing claims regarding the terms on which the ceasefire was agreed. Both sides are accusing each other of misunderstanding their intentions. This happens when distrust is at its peak and opposing sides are filled with suspicion of each other. One reason for this uncertainty is Pakistan's alleged mediation. It is now clear that Pakistan was acting as a messenger, not a mediator. It seems they failed to do even this task properly, or in their haste to become a peacemaker, they erred in communicating messages to each other, or deliberately exchanged messages that were misleading. It is difficult to understand why the US chose Pakistan as its agent, as it has no contact with Israel and Iran does not trust it very much. If the US and Iran truly want to resolve their disputes through a ceasefire and negotiations, they must select a reliable mediator with some credibility. Both sides must understand that a ceasefire is essential not only for them and West Asia, but for the entire world. The global economy is facing a severe crisis due to the blockage of the Strait of Hormuz. The energy crisis resulting from this closure is affecting industries worldwide.

Voting rights cannot be taken away.

This is a question of the fundamental right of every citizen of India—the right to vote. No one can take it away or postpone it. Postponement means that it doesn't matter, you can vote in the elections after five years. No, this is completely wrong, unconstitutional, and undemocratic. But this has happened in West Bengal, and it has caused panic. People are afraid and apprehensive that their citizenship will eventually be revoked! The Election Commission has conducted Special Intensive Revision (SIR) in several states and union territories. Indeed, it caused a storm in Bihar, and attempts were made to make it a political, electoral issue, but they failed. The elections were completed, and the BJP-NDA government remained in power. In Bengal, even after the "logical discrepancy category" process, the names of more than 27.16 lakh voters were deleted. A total of more than 90.83 lakh names have been deleted. Were all of them infiltrators or fake voters? Why has the Commission not clarified this to date? Leaving aside the figures of those who have died, this is no ordinary figure. So many people have been deprived of their right to vote. The Election Commission has no constitutional power to deprive them of their right to vote. If millions of names have been deleted, they must also provide details, as this is a matter of fundamental rights. This figure exceeds the total number of voters in four Lok Sabha seats. Consequently, only 67,554,184 voters will be able to vote in this assembly election. Before the SIR, the number of voters in Bengal was over 76.6 million. In the 2024 Lok Sabha elections, there were also over 76.1 million eligible voters. The more than 27.16 lakh voters whose names are pending or are still doubtful will definitely not be able to exercise their right to vote in the elections on April 23 and 29, as the voter lists have been frozen after the nomination process has concluded. Meaning, no amendments can be made to them now. Although these millions of voters can file their complaints and objections with the tribunals, the tribunals themselves are crippled. They lack rooms, chairs, tables, or digital network facilities. Many of the judicial committees that were supposed to investigate voter cases, as ordered by the Supreme Court, haven't even been formed. Who will provide "justice" to voters, and how? Suppose, after examining cases of logical discrepancies, 1 million names are found to be correct and the Election Commission publishes a supplementary voter list, who will allow them to vote? Have election officials been given instructions regarding the "supplementary list"? How will they be able to vote when the voter lists have been frozen? How will even eligible voters be able to vote? In this context, Supreme Court Justice Bagchi's decision does not seem "constitutional." He stated that such voters can find a place in future voter lists and exercise their right to vote in future elections. Of course, we can't question the judge's decision, but we must question who gave us the right to vote every five years? The right to vote is eternal, everlasting, and continuous. Whenever elections are held, citizens have the constitutional right to choose their representatives. Of course, the SIR falls within the Election Commission's constitutional responsibilities, but it should not prove anti-people. In Bengal, 75-80 percent of Muslim names have been deleted, and some Hindus and non-Muslims have also been targeted, in order to present a facade of neutrality. The question is: why are the family members of the person who created beautiful, cultural images within the Constitution not considered "voters"? Why is the name of a passport holder missing from the list? Why is a BSF soldier protecting the country on the borders not considered an eligible voter? Countless such discrepancies still exist. Why is a delegation mistreated if they go to meet the Chief Election Commissioner? Is he actually "His Excellency"? However, these issues should be addressed. It is hoped that the assembly elections in various states will be held peacefully.

West Asia Crisis: Trump Trapped

Trump, deeply embroiled in the West Asia crisis, deserves no sympathy because he acted arbitrarily. Iran, facing US and Israeli attacks, is garnering sympathy from much of the world. However, if the US and Israel act arbitrarily, Iran is no stranger to blame. Trump's Iran policy deepened the crisis in West Asia. Iran's military capabilities challenged the US and Israel.

Trump's contradictory decisions increased global instability. The popular 2010 film "Fas Gaye Re Obama" was a comedy, born out of a tragedy. Its story concerned an NRI who returned to India to face the economic crisis that erupted in the US during President Barack Obama's tenure. Just as the recession in the US troubled the entire world at the time, the US's joint Israeli attack on Iran is troubling the entire world today. More than a month has passed since this war began, and it's difficult to predict when it will end. If the US hadn't supported Israel, this war wouldn't have happened. However, it seems that President Trump, driven by his arrogance, mistook Iran for Venezuela and attacked it without considering the extent and nature of its military capabilities. He failed to realize that Iran would make Iran sweat by attacking neighboring countries and blocking the Strait of Hormuz. It is now truly capable of doing so, and Trump is at a loss for how to get out of this war. On the one hand, he boasts of being the most powerful ruler and world policymaker, while on the other, he has exposed his weakness by granting Iran extension after extension to open the Strait of Hormuz. If his military is so powerful, why isn't Iran's lethality diminishing? It is launching missiles that have stunned both the US and Israel. Trump sometimes threatens to send Iran back to the Stone Age, and sometimes initiates peace talks with it. Trump's proposal for peace talks with Iran has not only been rejected but also ridiculed. Iran is also issuing counter-threats. When he launched his attack on Iran, Trump stated that he intended to eliminate Iran's nuclear weapons capability through regime change. There is no sign of a regime change in Iran, even though several senior military officials, including its Supreme Leader Khamenei, have been killed. It's also difficult to say that its nuclear plants have been so severely damaged by US and Israeli attacks that it will never again be able to develop nuclear weapons. Trump, who uses his tariff policy as a stick to drive the world, is neither able to protect the Gulf countries from Iranian attacks nor persuade his allies, even NATO members, to support him in this war. His allies are also reluctant to cooperate because, not long ago, he threatened to annex Greenland. Iran has dispelled the atmosphere that the world will be as Trump wishes, and that other countries will have to bow to his stubbornness. Trump has been claiming that he is the President of Peace and has prevented seven or eight wars, but he has no answer for why he couldn't stop the Russia-Ukraine war, the very thing he practiced the most. As a self-proclaimed messiah of peace, he claims to be worthy of the Nobel Prize and laments his failure to receive it, but overall, he has only destabilized and disturbed the world. He is accustomed to treating his adversaries even worse than his allies. Trump wants the whole world to salute him, but he resorts to bullying and threats to achieve this. For this reason, he is not and cannot be worthy of respect and honor. Trump is an unreliable and chaotic ruler, adept at going back on his word, acting arbitrarily, and lying. He pretends to have the solution to every problem in the world, but the West Asia crisis has become a thorn in his side. How frustrated he is by this was evident from his abusive posts from the past few days. His language was a bit like this dialogue from a Hindi movie: "Dog, bastard, I will drink your blood." Trump, deeply embroiled in the West Asian crisis, deserves no sympathy because he acted arbitrarily. Iran is gaining sympathy from a large part of the world as it struggles with US and Israeli attacks. But if the US and Israel act arbitrarily, Iran is no stranger to blame. The regime there is tyrannical and brutal toward its own people. It has killed thousands of its own people. It is deeply obsessed with wiping Israel off the world map. If Iran develops nuclear weapons, it will not only pose a serious threat to Israel's existence, but will also bully everyone in West Asia, and will openly support terrorist organizations like Hamas and Hezbollah. Whenever and however the West Asia crisis is resolved, the US President is currently in a tight spot there and there is no need to make a film like 'Fas Gaye Re Trump' on him, because he himself has become a walking comedy.

West Asia - Peace Without a Solution

The Strait of Hormuz emerged as a crucial aspect of this development. Approximately 20 percent of the world's energy resources are transported through this route. Iran emerged in a stronger position despite military pressure. Control of the Strait of Hormuz will alter the global balance of power. Military power cannot solve complex geopolitical problems. The fragile ceasefire declared between the US and Iran is not the end of a conflict, but rather the beginning of a more complex and uncertain phase in West Asian politics. The unfolding events are not the result of a clear military victory, but a combination of political pressures, strategic mistakes, and shifting global equations. While the ceasefire may have provided some immediate relief to energy supplies and the global economy, its deeper implications indicate a situation where Iran appears to be emerging in a relatively stronger position despite heavy military pressure. The roots of this conflict lie in long-standing concerns about Iran's nuclear program and its regional influence. Israel considered this a threat to its existence and justified military action aimed at weakening its nuclear capabilities. The US has consistently stood by this strategy, especially strongly during the Trump era. Its overarching goal was to weaken or even replace Iran's Islamic system. It was assumed that external military pressure would incite discontent within Iran, leading to a public uprising against the government. Contrary to this assumption, the attacks created a kind of unity within Iranian society, and people rallied behind the government. The failure of the war to meet expectations forced the US to reconsider its strategy. Iran's nuclear capability was not destroyed, its political system remained intact, and its military power was not decisively weakened. As the conflict dragged on, the costs to the US increased, not only economic but also political. The upcoming midterm elections in the US made the situation even more sensitive. It became necessary for the Trump administration to exit a war that was not popular domestically. Even among Trump's supporters, there was growing unease about this war. Furthermore, threats to attack Iranian civilian infrastructure have sparked debate about war crimes internationally, weakening America's moral standing. In the current environment, a ceasefire appears more like a strategic necessity than a diplomatic breakthrough. The emerging role of Pakistan and China in this process also reflects a shift in the balance of power in global politics. Pakistan's emergence as a mediator is noteworthy. China's role demonstrates its not only economic power but also diplomatic influence. The Strait of Hormuz has emerged as a key aspect of this development. Approximately 20 percent of the world's energy resources are transported through this route. If Iran maintains effective control over this route even after a ceasefire, it would be a major shift in the global balance of power. Even if this control is not formally declared, if ships are monitored or operated under Iranian conditions, it would strengthen its strategic position. It is possible that Iran may impose tariffs on ships passing through the Strait of Hormuz, which would have a direct impact on the global oil market. Rising oil prices, increasing transportation costs.

इतने मासूम अफसर: मुरादाबाद जिले में कितने विधायक, इससे भी बेखबर, नंबर को दूर की बात, एसई आवास विकास लखनऊ तलब

विधान परिषद की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक में अधीक्षण अभियंता आवास विकास जनप्रतिनिधियों और जिले की बुनियादी जानकारी तक नहीं दे पाए। इसके बाद उन्हें समिति ने उन्हें लखनऊ तलब किया। बैठक में अनुपस्थित पर बुलाया गया। विधान परिषद में अधीक्षण अभियंता (एसई) जनप्रतिनिधियों को भी नहीं नहीं बता पाए। यही नहीं, जिले भी नहीं दे पाए। इस पर समिति बैठक में अनुपस्थित एमडीए पर उन्हें भी समिति ने लखनऊ समीक्षा समिति के सभापति हाउस में सदस्य मानवेंद्र सिंह, सदस्य एमएलसी भूपेंद्र चौधरी, डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त की की समीक्षा की। सभापति ने विभागों को भेजे जाने वाले पत्रों जानकारी ली।साथ ही उनके पत्रों पंजिका की स्थिति के बारे में विभागों द्वारा विकास से संबंधित स्थानीय जनप्रतिनिधियों के

एमडीए वीसी को भी जानकारी न देने की विनियमन समीक्षा समिति की बैठक आवास विकास स्थानीय पहचान पाए। उनके मोबाइन नंबर भी में कितने विधायक हैं, इसका जवाब ने उन्हें लखनऊ तलब किया है। वहीं वीसी की ओर से जानकारी नहीं देने बुलाया है।विधान परिषद की विनियमन अश्विनी त्यागी ने शनिवार को सर्किट पवन कुमार सिंह और विशेष आमंत्रित एमएलसी गोपाल अंजान, एमएलसी मौजूदगी में मुरादाबाद और रामपुर जिले जिले के जनप्रतिनिधियों के स्तर से पर की गई कार्रवाई की विस्तार से को सूचीबद्ध करने के संबंध में तैयार भी मालूम किया। उन्होंने कहा कि कार्ययोजना तैयार करने के दौरान प्रस्ताव इसमें शामिल कराए जाएं। बैठक में एमडीए वीसी के स्थान पर सचिव पहुंचे। इस पर सभापति ने वीसी के नहीं आने का कारण सचिव से पूछा। सचिव ने बताया कि उपाध्यक्ष एक दिन पहले लखनऊ में आयोजित शासकीय बैठक में गए थे। अवकाश पर हैं। इसकी जानकारी समिति को नहीं दिए जाने पर सभापति ने एमडीए वीसी को लखनऊ तलब कर लिया। वहीं, अधीक्षण अभियंता (एसई) आवास विकास महेंद्र कुमार से सभापति ने जनपद में जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद किए जाने के बारे में पूछा। यह सवाल भी किया कि क्या जनप्रतिनिधियों के मोबाइल नंबर उनके पास हैं। एसई बैठक में मौजूद एमएलसी एवं भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी को पहचान तक नहीं पाए। एमएलसी गोपाल अंजान को पहचान गए लेकिन उनका मोबाइन नंबर नहीं बता पाए। हैरत की बात यह है कि सभापति के पूछने पर वह जिले में विधायकों की सही संख्या भी नहीं बता सके। इससे नाराज होकर सभापति ने उन्हें लखनऊ तलब कर लिया।बैठक में एसएसपी सतपाल अंतिल ने बताया कि जिले में एक साल में 19 पुलिस चौकियां स्थापित कराई गई हैं। सभापति ने कहा कि उच्च शिक्षा की प्रबंधन समितियों द्वारा शासनादेश का पालन नहीं किया जा रहा है। प्रबंधन समितियों के मनमानी पूर्ण रवैये पर रोक लगाई जाए। इस दौरान समिति के अनुसचिव अरुण प्रकाश शर्मा, समीक्षा अधिकारी मयंक यादव, प्रतिवेदक आशीष सिंह, एआरओ अभिनव तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शैफाली सिंह, मेयर विनोद अग्रवाल के साथ मुरादाबाद, रामपुर, संभल और अमरोहा के डीएम और पुलिस कप्तान मौजूद रहे। हर तीन महीने पर कराएं विद्युत समिति की बैठक, लखनऊ भेजें रिपोर्ट- सभापति ने अधीक्षण अभियंता विद्युत प्रशांत कुमार से जनप्रतिनिधियों से मिले प्रस्तावों पर हुए कामों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने हर तीन महीने पर जिला विद्युत समिति की बैठक के बारे में अधीक्षण अभियंता से पूछा। इस पर अधीक्षण अभियंता ने बताया कि करीब नौ माह पहले बैठक हुई थी, जिस पर सभापति ने कहा कि शासन की गाइड लाइन है कि हर तीन माह में जिला विद्युत समिति की बैठक होनी चाहिए। इस बाद होने वाली बैठक की रिपोर्ट लखनऊ भेजी जाए।

चार माह में भी नहीं बदले मुरादाबाद मंडल के हालात, विकास के मोर्चे पर फिर फेल, सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग जारी

सीएम डैशबोर्ड की मार्च रैंकिंग में मुरादाबाद मंडल के जिले एक बार फिर विकास कार्यों में पिछड़ गए। मुरादाबाद 61वें, अमरोहा 54वें, संभल 46वें और बिजनौर 47वें स्थान पर रहे। लगातार चौथे महीने मंडल का प्रदर्शन कमजोर रहा। मुरादाबाद मंडल हों, लेकिन सीएम डैशबोर्ड पर जारी होने वाली माह की जारी रैंकिंग में मंडल के जिले विकास 54वें, संभल 46वें और बिजनौर 47 वें स्थान मंडल विकास के क्षेत्र में पिछड़ गया। हालांकि टॉपटेन में जगह बनाने में सफल रहा। जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं पर शासन स्तर से भी नजर रिपोर्ट की समीक्षा कराई जाती है। इसके बाद हर के सभी 75 जिलों की रैंकिंग जारी की जाती है। विकास कार्यों में दिसंबर 2025 में पिछड़ने वाला बाद मार्च में भी पीछे रह गया। रामपुर को छोड़कर भी जगह नहीं बना पाया। फरवरी की तुलना स्थिति खराब रही। मुरादाबाद 61वें स्थान पर 47 वें स्थान पर रहा। ये हाल तब है जब जिले

में अधिकारी विकास कार्यों के दावे भले ही करते रैंकिंग उनके दावों की हवा निकाल देती है। मार्च कराने में फिर पीछे रह गए। मुरादाबाद 61वें, अमरोहा पर रहा।यह लगातार चौथा मौका है जब मुरादाबाद जरा सा ही सुधार आया है, वहीं रामपुर प्रदेश में होने वाले विकास कार्यों, राजस्व वसूली, शिक्षा और रखी जाती है।जिलों से शासन को भेजी जाने वाली महीने की दस तारीख को सीएम डैशबोर्ड पर प्रदेश शुक्रवार को मार्च माह की रैंकिंग जारी की गई। मुरादाबाद मंडल इस साल जनवरी और फरवरी के मंडल का कोई जिला टापटेन तो छोड़िए टाप-20 में में इस बार भी मंडल के जिलों में मुरादाबाद की रहा। वहीं अमरोहा 54 वें, संभल 46 वें और बिजनौर और मंडल स्तर पर विकास कार्यों की निगरानी की जाती है। बैठक कर बिंदुवार समीक्षा की जाती है। साथ ही अधिकारियों की जिम्मेदारी भी तय की जाती है। हालांकि फरवरी माह की तुलना में मुरादाबाद, अमरोहा और संभल की रैंकिंग में कुछ सुधार है। जबकि रामपुर को प्रदेश में चौथा स्थान मिला है। फरवरी व मार्च में बिजनौर के एक जैसे हालात - फरवरी की तुलना में मार्च माह में मंडल के मुरादाबाद, संभल, रामपुर और अमरोहा जिले की रैंकिंग में कुछ सुधार आया है। रामपुर टॉपटेन में पहुंच गया। मुरादाबाद 75 से 61, संभल 53 से 46 अमरोहा 68 से 54 वें स्थान पर पहुंच गया। जबकि बिजनौर जिले की हालात फरवरी और मार्च में एक जैसे रहे। यह जिले फरवरी में 47 वें स्थान पर था। मार्च में भी बिजनौर 47 वें स्थान पर रहा। विकास कार्यों में मंडल के जिलों की चार महीने की रैंकिंग- जिला मार्च फरवरी जनवरी दिसंबर अमरोहा 54 68 65 67 मुरादाबाद 61 75 67 56 संभल46 53 61 53 बिजनौर 47 47 32 29 रामपुर04 11 23 08 मार्च माह में राजस्व की रैंकिंग में मंडल के जिलों की स्थिति- जिले रैंकिंग अमरोहा 12 मुरादाबाद 17 संभल 10 बिजनौर 41 रामपुर 06

संक्षिप्त समाचार

सात साल से युवक से दोस्ती, परिजनों ने पकड़ा तो निकाह हुआ तय, मुकरने पर प्रेमिका पहुंची थाने

युवती ने प्रेमी के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने में तहरीर दी है। उसका आरोप है कि युवक से उसकी सात साल से जान पहचान थी। दोनों के परिजनों ने उनका निकाह तय कर दिया था। अब युवक ने इससे इनकार कर दिया। शादी से मुकरने पर एक युवती ने प्रेमी के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। शादी का वादा कर यौन शोषण करने, मारपीट करने और धमकी देने का आरोप लगाया गया है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पीड़ित युवती ने कुंदरकी थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि पिछले सात वर्ष से गांव के ही एक युवक से प्रेम प्रसंग रहा है।प्रेमी ने शादी करने का वादा करके उसकी बिना मर्जी के उसके साथ यौन शोषण किया। सात अप्रैल को परिजनों ने बात करते हुए पकड़ लिया। दोनों की निकाह कर लेने की बात कही लेकिन आरोपी युवक और उसके परिजनों ने निकाह करने को मना कर दिया। आरोप है कि आठ अप्रैल को युवक ने मारपीट की। थाना प्रभारी जसपाल सिंह का कहना है कि पीड़िता का कोर्ट में बयान कराए जाएंगेघर से निकली किशोरी लापता, रिपोर्ट दर्ज- मुरादाबाद कोतवाली क्षेत्र में दुकान से सामान खरीदने घर से निकली किशोरी लापता हो गई। किशोरी की मां ने इस मामले में एक युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। किशोरी की मां ने बताया कि उसकी 16 वर्षीय बेटी आठ अप्रैल की शाम चार बजे घर से परचून की दुकान पर सामान लेने गई थी। महिला का आरोप है कि सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी नदीम उसे अपने साथ ले गया है। मां ने आशंका जताई कि आरोपी उसकी बेटी के साथ कोई घटना कर सकता है। सीओ कोतवाली सुनीता दहिया ने बताया कि किशोरी की तलाश की जा रही है। स्कूल के चौकीदार को पीटा, चार पर रिपोर्ट- मझोला थानाक्षेत्र के लाइनपार स्थित स्कूल के चौकीदार को कुछ लोगों ने पीटकर घायल कर दिया। उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। इस मामले में पुलिस ने दो महिलाओं समेत चार लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। लाइनपार रामलीला ग्राउंड के पास स्थित श्री सत्य साई अकादमी के उप प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। जिसमें उन्होंने बताया कि उनके स्कूल के गेट के सामने रहने वाली रामवीर और रीना ने बांसों की बैरीकेडिंग लगा दी थी। 27 जनवरी 2026 को चौकीदार राजू ने बैरीकेडिंग हटाने की कोशिश की तो दो महिलाएं और उनके बेटे आ गए और राजू के साथ मारपीट की। उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी महिला रामवीरी, उसके बेटे नितिन, रीना और उसके बेटे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। दहेज के लिए किया प्रताड़ित, तीन तलाक देकर घर से निकाला - सिविल लाइंस थाना क्षेत्र निवासी महिला ने अपने पति पर तीन तलाक देने और ससुरालियों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर पर पति समेत आठ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़ित महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी सिविल लाइंस के चक्कर की मिलक निवासी सुबहान के साथ 2018 को हुई थी। शादी के बाद से ही उसे ससुराल में दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा था। मारपीट की जाती थी। वह अपने मायके में आकर रहने लगी थी। एक अप्रैल को वह मां और भाई के साथ ससुराल पहुंची तो पति और ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की। पति ने तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर पति सुबहान, सास वलीसा, जेठ मुशर्रफ उर्फ छोटे, जेठानी शबाना, ननद बबली, ननदोई कौसर, दूसरी ननद रेशमा और ननदोई यासीन पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

आईपीएल सट्टा: पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष समेत 22 के खिलाफ 900 पेज की चार्जशीट दाखिल, गिरोह सदस्यों पर पुलिस की नजर

आईपीएल मैचों में ऑनलाइन सट्टा खिलाने के आरोपी में गिरफ्तार किए गए हिंदू कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुशील चौधरी समेत 22 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। सिविल लाइंस पुलिस ने एक साल पहले 2025 की रात सिविल लाइंस क्षेत्र के एक मकान में छापा मारकर आईपीएल मैचों पर सट्टा खिलाने वाले गिरोह का खुलासा किया था। यह सभी आरोपी जमानत पर हैं। 11 अप्रैल 2025 की रात पुलिस और एसओजी ने सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के पीटीसी रोड स्थित एक मकान में छापा मारा था। पुलिस ने मौके से सिविल लाइंस के दीन दयाल नगर निवासी एवं हिंदू कॉलेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष सुशील चौधरी, रामगंगा विहार निवासी अभिनव, कोतवाली के जीएमडी रोड जवाहर मार्केट निवासी कौशल कपूर, आबकारी विभाग के पास रहने वाले विपुल, मझोला के शंकर नगर निवासी मनोज अरोरा, मझोला के मिलन विहार निवासी धर्मेंद्र कुमार, सिविल लाइंस के आकाश सोसायटी निवासी रोहित गुप्ता, सिविल लाइंस के दीनदयाल नगर निवासी हेमंत कुमार, नागफनी के किसरौल निवासी मो. शहजादे सलीम को गिरफ्तार किया था।पुलिस ने दावा किया था कि गिरफ्तार किए गए लोग आईपीएल मैचों में ऑन लाइन सट्टा खिला जा रहे थे। पुलिस को मौके से 11 मोबाइल, एलइडी, एक पिस्टल, एक रिवाल्वर, 27 कारतूस और करीब 1.46 लाख रुपये की नकदी मिली थी। एसएसआई हरेंद्र कुमार की ओर से दर्ज कराई रिपोर्ट में गिरफ्तार किए गए नौ लोगों के अलावा अमित नागपाल, कमलदीप टंडन, राजदीप टंडन, मुकुल गोटेवाला, आशु रस्तोगी, रचित रस्तोगी, विशाल डुडेजा, सुमित उर्फ सन्नी सेठी, टीटू उर्फ दीपक गगनेजा, विक्की छाबडा, कमल छावड़ा, बिन्नी उर्फ गौरव आनंद, साहिल और प्रवीण के नाम विवेचना में बढ़ाए गए थे। सिविल लाइंस थाने के क्राइम इंस्पेक्टर राजेंद्र कुमार ने विवेचना की और 22 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की है। विवेचना में विशाल डुडेजा की संलिप्तता सामने नहीं आने पर उसका नाम निकाल दिया गया है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि करीब 900 पेज की चार्जशीट दाखिल की गई है। सभी आरोपी जमानत पर हैं। सट्टा खिलाने वाले गिरोह की गतिविधियों पर नजर - आईपीएस मैच शुरू होते ही हर साल सट्टा खिलाने वाले गिरोह सक्रिय हो जाते हैं। पिछले साल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की थी। फिर से पुलिस सट्टा खिलाने वाले गिरोह और उनके सदस्यों की गतिविधियों पर नजर रख रही है।

सिद्ध पीठ काली माता मंदिर की चौहद्दी की पैमाइश, अब चारों ओर होगी तारबंदी, गायब महंत की तलाश जारी

विवाद के बाद राजस्व कर्मियों ने सिद्ध पीठ काली माता मंदिर की चौहद्दी की पैमाइश पूरी की। मंदिर के संतों ने बताया कि बाउंड्री के चारों तरफ तारबंदी की जाएगी। इसके अलावा पुलिस रायबरेली से गायब महंत की तलाश कर रही है। राजस्व कर्मचारियों ने लालबाग स्थित सिद्ध पीठ काली माता मंदिर की चौहद्दी की पैमाइश किया लेकिन सभी तीनों गाटा संख्या की नाप पूरी नहीं हो सकी। मंदिर के संतों का कहना है कि बाउंड्री के चारों तरफ सुरक्षा के लिए तारबंदी की जाएगी ताकि कोई अनाधिकृत व्यक्ति या जानवर प्रवेश न कर सके।डीएम अनुज सिंह के निर्देश पर कानूनगो ब्रह्मपाल सिंह के नेतृत्व में लेखपाल देशराज सिंह और राकेश चौहान ने मंदिर के चारों तरफ घूमकर शनिवार को पैमाइश शुरू की। उन्होंने बताया कि मंदिर की जमीन गाटा संख्या

207, 209 और 212 में स्थित है। कानूनगो ने मंदिर के महंतों को बताया कि सोमवार को अन्य कर्मचारियों के आने पर फाइनल पैमाइश की जाएगी।पैमाइश के लिए मंदिर के महंतों ने एक दिन पहले डीएम से अनुरोध किया था। मंदिर के महंत हितेश्वर गिरि ने बताया कि इस मामले में मंदिर प्रबंधन की बैठक हुई है। महंतों ने निर्णय लिया है कि सुरक्षा के लिए मंदिर की बाउंड्री पर तारबंदी की जाएगी। अतिक्रमण से बचाने के लिए मंदिर की जमीन को सुरक्षित करना जरूरी है। भोजन व्यवस्था को ठीक करने के लिए खिड़कियों और दरवाजों की मरम्मत की जाएगी। मंदिर में अन्य कार्य अखाड़े के तरफ से बाद में कराए जाएंगे। पुलिस रायबरेली से गायब हुए महंत की नहीं कर रही तलाश- लालबाग स्थित काली माता मंदिर से प्रयागराज भेजे गए महंत सज्जन गिरि की पुलिस खोजबीन नहीं कर रही है। सिर्फ मंदिर की सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। आरोप है कि महंत अपने साथियों पर हमला कर रायबरेली से भाग निकले। लालबाग स्थित सिद्धपीठ काली माता मंदिर के पूर्व महंत सज्जन गिरि और राम गिरि को पुलिस ने प्राइवेट वाहन से महंत ग्रीशानंद गिरि और महंत आनंदेश्वर गिरि के साथ नौ अप्रैल को प्रयागराज के लिए भेजा था। श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के संतों ने इस मामले में पत्र भेजकर आरोप लगाया है कि लखनऊ के बंथरा निवासी सज्जन गिरि रायबरेली के आसपास पहुंचने पर अपने करीबी लोगों को बुलाए और साथियों पर हमला कराने के बाद भाग निकले हैं। आशंका जताई है कि सज्जन गिरि अपने साथियों के साथ काली माता मंदिर के नवनियुक्त महंतों को भी क्षति पहुंचा सकते हैं। इस मामले में मंदिर पर पुलिस फोर्स तैनात कर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। इस बारे में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह का कहना है कि पुलिस महंत सज्जन गिरि की तलाश नहीं कर रही है। सिर्फ मंदिर की सुरक्षा बढ़ा दी है। नवनियुक्त महंतों ने की आरती - सिद्धपीठ काली माता मंदिर में शनिवार की शाम देवी देवताओं की विधिवत आरती की गई। इस आरती में श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के महंत कंचन गिरी, धीरेंद्र पुरी, मंदिर के महंत हितेश्वर गिरी, इच्छा गिरी, महाकाल गिरी और वशिष्ठ गिरी शामिल हुए।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

शहर को कूड़े के ढेर से मिलेगी मुक्ति, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का काम तेज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। शहरवासियों के लिए राहत भरी खबर है, उन्हें जल्द ही सड़कों और डंपिंग यार्डों में लगे कूड़े के ढेरों से स्थायी मुक्ति मिल जाएगी। नगर निगम ने शहर के 80 वार्डों से प्रतिदिन निकलने वाले करीब 500 मीट्रिक टन कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण की दिशा में ठोस कदम बढ़ाते हुए सथरापुर में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की स्थापना का कार्य तेजी से चल रहा है। निगम अधिकारियों के अनुसार, प्लांट पर मशीनों के इंस्टॉलेशन का काम तेजी से चल रहा है और जल्द ही यहां ट्रायल शुरू किया जाएगा। इस परियोजना के लिए दिल्ली की संस्था पीपुल्स एसोसिएशन फॉर टोटल हेल्प एप्लूज (पाथ्या) का चयन किया गया है, जिसने मौके पर उपकरण पहुंचाने और उन्हें स्थापित करने की कवायद शुरू कर दी है। पर्यावरण अभियंता राजीव कुमार राठी ने बताया कि यह प्लांट जीरो वेस्ट मैनेजमेंट के सिद्धांत पर आधारित होगा। इसके तहत नगर निगम कार्यदायी संस्था को कचरा निस्तारण के बदले प्रति टन 446 रुपये का भुगतान करेगा।

प्लांट संचालन के बाद सुधरेगी स्वच्छ रैंकिंग प्लांट की स्थापना शहर की स्वच्छता रैंकिंग सुधारने की दिशा में भी एक बड़ा कदम साबित होगी। बीते वर्ष स्वच्छता सर्वेक्षण में बरेली की रैंकिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं थी और शहर पिछड़ गया था। पिछले साल कम अंक आने का सबसे बड़ा कारण शहर में लीगेसी वेस्ट यानी कूड़े के पुराने ढेरों का उचित निस्तारण न हो पाना और प्रोसेसिंग प्लांट का अभाव था। कचरे के पृथक्करण और प्रोसेसिंग यूनिट की कमी के चलते केंद्र सरकार की टीम के निरीक्षण में कम अंकों का नुकसान उठाना पड़ा था। अब जबकि 15 अप्रैल के बाद केंद्रीय टीम के सर्वे के लिए पहुंचने की संभावना है, नगर निगम इन कमियों को दूर कर स्वच्छता रैंकिंग में लंबी छलांग लगाने की तैयारी में है।

बरेली सहित 50 स्टेशन एआई सुरक्षा प्रणाली से होंगे लैस, ड्रोन कैमरों से पटरियों की निगरानी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जल्द ही ट्रेनों में यात्रा पहले से ज्यादा सुरक्षित, तेज और आरामदायक होगी। उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के 50 रेलवे स्टेशनों को सीसीटीवी कैमरों और एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित इंटरलॉकिंग, सिग्नलिंग प्रणाली आदि से लैस किया जाएगा। सरकार ने इसके लिए 970 करोड़ रुपये जारी किए हैं। पहले चरण में गाजियाबाद, हापुड़, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर और रोजा समेत 15 रेलवे स्टेशनों को एआई प्रणाली से लैस किया जाएगा। इस पर इसी वित्त वर्ष में काम शुरू करने की तैयारी है।अब तक ट्रेनों के सभी ज्वाइंट की जांच मैनुअल की जाती है। ट्रेन के स्टेशन से चलने के दौरान कुछ रेलकर्मी ट्रेन के गुजरते समय ज्वाइंट को झुककर देखते हैं। इस व्यवस्था में मानवीय चूक की आशंका रहती है। अगर कोई ट्रेन तेज गति पर होती है तो उनकी मैनुअल जांच मुश्किल हो जाती है।

दुर्व्यवहार के आरोप में क्राइम इंस्पेक्टर को स्स्क्कने किया निलंबित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । जनपद के थाना नवाबगंज में तैनात क्राइम इंस्पेक्टर जयपाल सिंह के खिलाफ गंभीर शिकायत सामने आई है। कार्य एवं आचरण से जुड़ी शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच की गई, जिसमें दुर्व्यवहार की पुष्टि हुई। इस पर सख्त कार्रवाई करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने निरीक्षक जयपाल सिंह को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया है। साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य का सिर्फ और सिर्फ कहना है कि अनुशासनहीनता और गलत आचरण किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने पर आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बरेली में 17 कन्याओं का सामूहिक विवाह

भव्य आयोजन में उमड़ा जनसैलाब, शहनाइयों के बीच गूंजे मंगलगीत

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। कुर्मी क्षत्रिय सभा द्वारा आयोजित 18वें स्वजातीय परिचय सम्मेलन एवं कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन रविवार को धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार व उनकी पत्नी सुधा सेन गंगवार ने दीप प्रज्वलन कर किया। इसके बाद मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया गया और विवाह परिचयिका का विमोचन किया गया। समारोह में पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ 17 कन्याओं का सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, पूर्व विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री भगवत सरन गंगवार, पूर्व विधायक छोटे लाल गंगवार, ब्लॉक प्रमुख भूपेन्द्र कुर्मी, आईएमए अध्यक्ष डॉ. डी.पी. गंगवार, प्रवेश राठौर, कर्नल पुरुषोत्तम सिंह, रत्नेश गंगवार समेत अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधियों ने भी शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार ने की जबकि संचालन कुर्मी क्षत्रिय सभा के उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार ने किया। सामूहिक विवाह में शामिल 17 नवविवाहित जोड़ों को मंच पर बुलाकर अतिथियों ने आशीर्वाद दिया। इस दौरान समाज के लोगों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया। विवाह के बाद सभी को भोजन कराया गया और गृहस्थी हेतु उपहार भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में कुर्मी क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार, उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार, प्रेम शंकर गंगवार, छत्रपाल सिंह गंगवार, महामंत्री रामऔतार गंगवार, मूलचंद्र गंगवार, आलोक गंगवार, एड. मनोज बाबू गंगवार और मीडिया प्रभारी देश दीपक गंगवार समेत कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा।कार्यक्रम के दौरान सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का काम करते हैं और सामूहिक विवाह जैसी पहल से गरीब परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। उन्होंने इसे सामाजिक समरसता की मिसाल बताया। वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल ने कहा कि इस तरह के आयोजन बेटियों के सम्मान और सुरक्षित भविष्य की दिशा में मजबूत कदम हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि समाज को ऐसे प्रयास लगातार करने चाहिए।

कुर्मी क्षत्रिय सभा के जिलाध्यक्ष एड. के.पी. सेन गंगवार ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज को एक मंच पर लाना और जरूरतमंद परिवारों की मदद करना है। उन्होंने बताया कि सामूहिक विवाह से सामाजिक बंधन मजबूत होते हैं और आपसी सहयोग की भावना बढ़ती है। वहीं उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह गंगवार ने कहा कि आने वाले समय में भी ऐसे कार्यक्रम और बड़े स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके, अरविन्द पटेल, विद्याराम गंगवार, ओमकार गंगवार, एड. मुनेन्द्र सिंह गंगवार, डा. उग्र सेन गंगवार, युधिष्ठर प्रसाद गंगवार, अमित गंगवार, खेमेन्द्र पाल सिंह, वीरेश कुमार गंगवार, तेज पाल गंगवार, भानू प्रताप गंगवार, मनोहर लाल गंगवार, प्रमोद कुमार सिंह, भद्र पाल गंगवार और महेश चन्द पटेल समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कैंट पुलिस ने 24 घंटे में नाबालिग दुष्कर्म के आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । थाना कैंट पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को महज 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। दरअसल शनिवार को थाना कैंट क्षेत्र में रह वाली एक महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसकी छोटी बहन के साथ सतीश गिरी नामक व्यक्ति ने दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है। इस गंभीर मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मुकदमा संख्या 178/26 धारा 64 बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया। इसके बाद अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत निरीक्षक अपराध भारत सिंह और उपनिरीक्षक रोहित तोमर की टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए आरोपी सतीश गिरी को कठपुला पुल, थाना कैंट क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी सतीश गिरी, नकटिया के ग्रास मंडी का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पूछताछ में आरोपी ने अपनी सफाई न्यायालय में देने की बात कही है।

क्लीनिक में चोरी करने घुसा था किशोर, शटर और दीवार के बीच फंसी गर्दन, आठ घंटे तक लटका रहा

गाजियाबाद में चोरी करने घुसे किशोर की गर्दन क्लीनिक के शटर में फंस गई। आठ घंटे तक उसकी जान फंसी रही। पुलिस और दमकल टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किशोर को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम इलाके के अभयखंड स्थित हार्ट एंड केयर क्लीनिक में चोरी करने घुसे 15 वर्षीय किशोर की गर्दन शटर और दीवार के बीच फंस गई। करीब आठ घंटे तक वह लटका रहा। उसका सिर क्लीनिक के बाहर और बाकी शरीर अंदर था।शनिवार सुबह करीब पांच बजे उसके क्लीनिक में घुसने की बात कही जा रही है, जबकि घटना का पता सुबह करीब 11 बजे स्टाफ के क्लीनिक पहुंचने पर चला। पुलिस और दमकल टीम ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद किशोर को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सक ने किशोर के खिलाफ अभी शिकायत नहीं दी है। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि दिल्ली निवासी डॉ. पवन शर्मा का अभयखंड में हृदय रोग से संबंधित क्लीनिक है। वह सप्ताह में दो-तीन दिन ही यहां आते हैं। उन्हीं दिनों में स्टाफ भी आता है। डॉ. पवन शनिवार को क्लीनिक आने वाले थे। इससे पहले सुबह करीब 11 बजे क्लीनिक कर्मचारी पहुंचे और शटर खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह नहीं खुला। कर्मचारी ने जोर लगाया तो किशोर चीख पड़ा, जिससे कर्मी डर गया। उसने ऊपर देखा तो किशोर का सिर बाहर था और शरीर क्लीनिक के अंदर था। उन्होंने डॉ. पवन को कॉल किया और फिर पुलिस की सूचना दी। क्लीनिक के पिछले रास्ते का शटर खोला और सभी लोग अंदर पहुंचे। वहां देखा तो किशोर बेसुध था। पुलिस और दमकल की टीम ने करीब दो घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाया, तब जाकर किशोर को किसी तरह निकाला जा सका। गर्दन फंसे होने के कारण किशोर का चेहरा भी चोटिल हो गया, जिससे खून निकल रहा था। उसे नीचे उतारने के बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। शटर पीटा लेकिन नहीं निकली आवाज- होश आने पर किशोर ने पुलिस को बताया कि वह खोड़ा का रहने वाला है और चोरी के इरादे से सुबह क्लीनिक में घुसा था। हालांकि, समय की जानकारी होने से उसने इन्कार कर दिया। उसने पुलिस को बताया कि शटर और दीवार के बीच खाली जगह में पैर डालते समय फिसल गया, जिससे गर्दन फंस गई। क्लीनिक की ऊंचाई अधिक होने और सपोर्ट न मिलने की वजह से निकल नहीं पाया। उसने हाथ-पैर से शटर पीटा, लेकिन आवाज बाहर तक नहीं पहुंची। कुछ देर तक तो उसने निकलने का प्रयास किया, लेकिन थकने के बाद हार मान ली। इसके बाद वह बेसुध हो गया।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

बरेली की राजनीत में हो सकता है उलटफेर, बनेंगे जीत-हार के रिकॉर्ड

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा /बरेली। वोटों के नए समीकरण बरेली की राजनीति में बड़े परिवर्तन का कारण बन सकते हैं! एसआईआर-2026 के आंकड़ों ने साफ कर दिया है कि आगे जीत-हार के और भी कड़े मुकाबले देखने को मिल सकते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में जहां मीरगंज में भाजपा की सबसे बड़ी जीत हुई थी फरीदपुर में सपा को बहुत मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था। अब हर सीट पर जुड़े 20 से 25 हजार नए मतदाता नया इतिहास लिखने को तैयार नजर आ रहे हैं ।

आंकड़ों के अनुसार, 10 अप्रैल 2026 तक बरेली में मतदाताओं की कुल संख्या 29,48,987 पहुंच चुकी है, जिसमें अकेले 16.09 लाख से अधिक पुरुष और 13.39 लाख से अधिक महिला मतदाता शामिल हैं। इस बार पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान अकेले फॉर्म-6 (नए मतदाता) के 2,64,672 दावों को स्वीकार किया गया है। मतदाताओं की इस भारी वृद्धि का सीधा असर बिथरी चैनपुर (3,70,974 वोटर) और भोजीपुरा (3,63,479 वोटर) जैसी सीटों पर पड़ेगा, जहां अब जीत-हार का गणित पूरी तरह बदल चुका है। बहेड़ी, नवाबगंज और बरेली कैंट जैसी सीटों पर भी मतदाताओं की संख्या में उछाल आया है। पिछले चुनावों के रिकॉर्ड खंगाले जाएं तो कई सीटों पर हार-जीत का फैसला महज पांच से दस हजार वोटों के बीच रहा था। ऐसे में जब 2026 की रनभूमि सजेगी, तो नए 2.57 लाख से अधिक वोटर्स और 50 हजार युवा चेहरे तय करेंगे कि बरेली की राजनीति में किसका कद बढ़ेगा और किसका रिकॉर्ड टूटेगा। नया आंकड़ा उन दिग्गजों के लिए भी चेतावनी है जो पिछली जीत के अंतर को आधार मानकर चल रहे थे। साफ है कि इस बार %%%%वोटों का नया गणित%%%% बड़े-बड़े सूरमाओं का खेल बिगाड़ने वाला है। ऐसे में आगामी चुनाव के लिए पार्टियों को अभी से डिजिटल कैंपेन और सोशल मीडिया पर अपनी पकड़ और मजबूत करनी होगी। भाजपा, सपा और कांग्रेस जैसी प्रमुख पार्टियों के रणनीतिकार इन आंकड़ों का बूथ-वार विश्लेषण कर रहे हैं। चर्चा है कि आगामी चुनावों में टिकट बंटवारे में भी उन प्रत्याशियों को वरीयता दी जा सकती है जिनकी छवि युवाओं के बीच लोकप्रिय हो और जो रोजगार व आधुनिक बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दों पर स्पष्ट विजन रखते हों।

थाना अलीगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, अवैध अफीम के साथ दो तस्कर किए गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद के थाना

अलीगंज पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को 490 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। शनिवार को मुखबिर की सूचना पर थाना अलीगंज पुलिस टीम ने शाम 5-25 बजे विशारतगंज रोड पर रजा फ्रूट फैक्ट्री से अलीगंज की ओर करीब 200 मीटर दूरी पर खेतों के रास्ते पर दबिश दी। यहां लगभग 50 कदम अंदर जाकर दो संदिग्ध युवकों को रोका गया।तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से कुल 490 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई। मौके पर ही दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खिलाते युवक गिरफ्तार, मोबाइल व नकदी जब्त

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध रूप से ऑनलाइन आईपीएल सट्टा खिलाने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक महंगा मोबाइल फोन एवं नगद राशि जब्त की है।

पुलिस अधीक्षक श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे ने टीम गठित कर कार्रवाई की।

दिनांक 11 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली कि मटका पार्क के पास एक युवक सट्टा खिला रहा है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम अर्पित रावत (25 वर्ष), निवासी ग्राम पड़ोरा, थाना

कोलारस, जिला शिवपुरी बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से एक वन प्लस कंपनी का मोबाइल फोन (कीमत लगभग 20,000 रुपये) बरामद हुआ, जिसमें ऑनलाइन आईपीएल सट्टा चलाने की लिंक पाई गई। साथ ही 1500 रुपये नगद भी जब्त किए गए। आरोपी ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। उसके खिलाफ अपराध क्रमांक 256/26, धारा 4 सट्टा अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।पुलिस का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सराहनीय भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी रोहित दुबे के साथ प्रधान आरक्षक संतोष बैस, आरक्षक अजय यादव एवं आरक्षक बृजेश जादौन की विशेष भूमिका रही।

मुख्यमंत्री जी ने विदिशा जिले की 271347 लाडली बहनों के बैंक खातों में ट्रांसफर की 40 करोड़ रूपए की राशि

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज सीहोर जिले के आष्टा से 1.25 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों के खातों में लाड़ली बहना योजना के तहत 35वीं किस्त के रूप में1,836 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की है। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के माध्यम से विदिशा जिले की 271347 महिलाओ के बैंक खातों में 40 करोड रुपये की राशि अंतरित की गई है। विदिशा के एनआईसी व्हीसी कक्ष में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी, विदिशा नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शर्मा सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी, कर्मचारी और लाडली बहनाएं मौजूद रहीं। इस दौरान उपस्थित सभी के द्वारा मुख्यमंत्री जी के लाइव उद्बोधन को देखा, सुना गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम

अधिकारी श्रीमती विनीता कांसबा ने विदिशा जिले की लाभान्वित लाडली बहनों की जनपद व निकायवार जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान जनपद पंचायत बासौदा की 40483, ग्यारसपुर की 24300, कुरवाई की 27310, लटेरी की 25552, नटेरन की 33161, सिरोंज की 36584, विदिशा की 29327, नगरपालिका गंजबासौदा की 11948 ,सिरोंज की 8746, विदिशा की 25579, नगर परिषद कुरवाई की 2990, लटेरी की 3337 , शमाशाबाद की 2030 मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना की लाभार्थी महिलाओं के खाते मे राशि अंतरित की जाएगी। राशि अंतरण के कार्यक्रम का प्रसारण सभी आंगनवाडी केन्द्रों व पंचायत मुख्यालयों पर लाडली बहनों को देखने सुनने के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान का उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच /भारतीय जनता पार्टी मंडल मटेरा के प्रशिक्षण कार्यशाला में आज प्रथम दिवस के तीन सत्र पूरे हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान का उद्घाटन एवं प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता पूर्व सांसद प्रदेश उपाध्यक्ष विधान परिषद सदस्य

माननीय पदम सेन चौधरी जी के द्वारा हुआ अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री करणवीर सिंह जी ने किया द्वितीय सत्र जिला उपाध्यक्ष डॉक्टर डिंपल जैन जी के द्वारा रखा गया अध्यक्षता श्रीमती स्वाति तिवारी जी ने किया तृतीय सत्र श्री जवाहरलाल जी द्वारा रखा गया अध्यक्षता मंडल प्रभारी डॉक्टर विश्वनाथ श्रीवास्तव जी ने किया साथ में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान के प्रभारी श्री हरिश्चंद्र गुप्ता जी उपस्थित रहे शेष सत्र अगले दिवस में किए जाएंगे सभी वक्ताओं ने बहुत ही महत्वपूर्ण बिंदुओं को कार्यकर्ताओं के समक्ष बड़ी सरलता से रखा सभी वक्ताओं का बहुत-बहुत आभार धन्यवाद जय श्री राम

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के दौरे के लिए 46 घंटे रहेगा रूट डायवर्जन, जान लें कहां से होकर गुजरेंगे वाहन

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के लिए बिहारीगढ़ में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसलिए 12 अप्रैल शाम छह बजे से 14 अप्रैल शाम चार बजे तक रूट डायवर्जन लागू रहेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिहारीगढ़ में प्रस्तावित दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर यातायात पुलिस ने ट्रैफिक प्लान जारी किया है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में वीवीआईपी और आमजन के पहुंचने की संभावना को देखते हुए 12 अप्रैल शाम छह बजे से 14 अप्रैल शाम चार बजे तक विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन लागू रहेगा।मुजफ्फरनगर की ओर से देहरादून जाने वाले सभी प्रकार के वाहनों को रामपुर तिराहा और मलीरा कट से पुरकाजी, मंगलौर होते हुए रुड़की और हरिद्वार भेजा जाएगा। वहीं देवबंद और नागल क्षेत्र से आने वाले वाहनों को कोलकी बाईपास से गागलहेड़ी और भगवानपुर होते हुए डायवर्ट किया जाएगा। सहारनपुर से देहरादून जाने वाले वाहनों को गागलहेड़ी तिराहे से भगवानपुर के रास्ते रुड़की और हरिद्वार की ओर भेजा जाएगा। बेहट और छुटमलपुर मार्ग के वाहनों को बड़कलां अंडरपास से भगवानपुर होते हुए आगे बढ़ाया जाएगा। यमुनानगर से देहरादून जाने वाले वाहनों को पांवटा साहिब के रास्ते भेजा जाएगा। वहीं देहरादून से सहारनपुर आने वाले वाहनों को ऋषिकेश और हरिद्वार की ओर डायवर्ट किया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली और शामली की ओर से देहरादून जाने वाले वाहनों को बाबरी कट से मुजफ्फरनगर हाईवे होते हुए रुड़की-हरिद्वार मार्ग पर भेजा जाएगा।

मौत के बाद 5 दिन रहा लाश के साथ, फिर यहां बिताए 5 माह, दो बार मेरठ भी आया; प्रियंका मौत मामले में खुलासा

मेरठ में प्रियंका की मौत के मामले में नया खुलासा हुआ है। बेटी की मौत के कुछ दिन बाद तक उसका पिता लाश के साथ रहा, पांच दिसंबर 2025 को हरिद्वार चला गया। इसके बाद दो बार मेरठ आया। लेकिन किसी को बेटी की मौत की जानकारी नहीं दी। अब प्रियंका के मोबाइल फोन और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का राज खुलने की उम्मीद है।मेरठ के सदर थाना इलाके के तेली मोहल्ला निवासी प्रियंका (33) की मौत का कारण शनिवार को भी पहेली (76) शव के साथ रहा और पांच दिसंबर 2025 को फिर शव (कंकाल) को उसके घर से बरामद कर लिया गया। बावजूद उन्होंने किसी को बेटी की मौत की सूचना नहीं पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उसके मोबाइल से होगा। सदर गहनता से पूछताछ की।उदयभानु ने पुलिस को बताया कि फूंक करने वाले को भी उन्होंने अपनी बेटी को कई बार वह पांच दिसंबर 2025 को बेटी के शव को छोड़कर कब हुई लेकिन वह उसकी मौत के तीन चार दिन बाद वह स्वामी नाम के आश्रम या गेस्ट हाउस में रुके थे।

बना रहा। प्रियंका की मौत के कुछ दिन तक उसके पिता उदयभानु विश्वास हरिद्वार चला गया। पांच महीने बाद शुक्रवार को वह वापस लौटे तो प्रियंका के उदयभानु बेटी का मोबाइल लेकर हरिद्वार गया था। दो बार मेरठ आने के दी। प्रियंका की मौत बीमारी से हुई थी या हत्या की गई इसका खुलासा उसकी बाजार थाना पुलिस ने उदयभानु और झाड़-फूंक करने वाले को थाने लाकर उनकी बेटी प्रियंका को पीलिया हो गया था। मेहताब सिनेमा के पास झाड़-दिखाया लेकिन उसकी हालत बिगड़ती चली गई और उसकी मौत हो गई। हरिद्वार चला गया।उदयभानु का कहना है कि उसे याद नहीं है कि बेटी की मौत हरिद्वार गया। वह तब तक बेटी के शव के साथ ही घर में रहे थे। हरिद्वार जाकर प्रियंका के मोबाइल को उन्होंने हरिद्वार के उसी कमरे में छोड़ दिया जहां वह ठहरे थे। पुलिस उदयभान को हरिद्वार ले जाकर मोबाइल बरामद करेगी। वह इस बीच में दो बार मेरठ आए। उन्हें गली में रहने वाले लोगों ने भी देखा था लेकिन परिजन की उन पर नजर नहीं पड़ी। उनका कहना था कि वह पेंशन के काम से मेरठ आए थे।उदयभानु को लेकर श्मशान पहुंची पुलिस, दी मुखाग्नि-तहेरे भाई विश्वजीत विश्वास ने बताया कि शाम लगभग साढ़े पांच बजे के करीब प्रियंका के शव (कंकाल) का पोस्टमार्टम हुआ। इसके बाद सूरजकुंड स्थित श्मशान में शव का अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस उनके चाचा उदयभानु को लेकर श्मशान आई थी। उन्होंने ही अपनी बेटी के शव को मुखाग्नि दी और वह पुलिस के साथ ही लगभग 45 मिनट बाद लौट गए।गंगा में नहाकर हर की पैड़ी पर खींचे फोटो- चार महीने उदयभानु हरिद्वार में रुके थे। उनको 25 हजार रुपये मासिक पेंशन मिलती थी। इसी से वह अपना खर्च चलाते थे। गंगा में नहाने के बाद उन्होंने हर की पैड़ी पर मोबाइल से अपने फोटो भी खींचे थे। यह फोटो उनके मोबाइल में मिले हैं। उनका और झाड़-फूंक करने वाले के मोबाइल की पुलिस गहनता से जांच कर रही है। अभी इस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।यह था पूरा मामला-मेरठ के सदर बाजार थाना क्षेत्र के तेली मोहल्ले से एक ऐसी दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने रिश्तों की गरिमा और मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख दिया है। बेसिक शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त लिपिक उदय भानु विश्वास नामक व्यक्ति अपनी 33 वर्षीय अविवाहित बेटी प्रियंका विश्वास की लाश के साथ कई दिनों तक घर में रहा। इस भयावह कृत्य के बाद, उसने घर में ताला लगा दिया और चार महीने के लिए रहस्यमय तरीके से लापता हो गया। जब वह चार महीने बाद वापस लौटा, तो इस भयानक रहस्य से पर्दा उठा।बेटी का कंकाल और पिता का रहस्यमय व्यवहार- घर के भीतर एक कमरे में बिस्तर पर बेटी प्रियंका का कंकाल मिला है, जो इस घटना की भयावहता को बयां कर रहा है। पुलिस ने आरोपी पिता उदय भानु को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में मौत का कारण तंत्र-मंत्र बताया जा रहा है, जो इस मामले को और भी अधिक रहस्यमय बना देता है। सीओ सदर कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि पुलिस मामले की गहनता से पूछताछ कर रही है।पुलिस के अनुसार, प्रियंका विश्वास एक निजी स्कूल में शिक्षिका के पद पर कार्यरत थीं। वह लंबे समय से पीलिया (जॉन्डिस) से पीड़ित थीं। सितंबर 2025 के बाद से उन्होंने स्कूल जाना बंद कर दिया था। यह जानकारी मामले की पृष्ठभूमि को समझने में मदद करती है, हालांकि यह पिता के असामान्य व्यवहार की व्याख्या नहीं करती।भतीजे की सतर्कता से खुला राज-घटना का खुलासा तब हुआ जब शुक्रवार को आरोपी पिता उदय भानु बेगमबाग में एक चाय की दुकान पर बैठा था। तभी उसके भतीजे विश्वजीत विश्वास की नजर उस पर पड़ी। जब विश्वजीत ने अपनी बुआ प्रियंका के बारे में पूछा, तो उदय भानु उसे गुमराह करने लगा। उसने कभी प्रियंका को देहरादून तो कभी गाजियाबाद के अस्पताल में भर्ती होने की बात कहकर टालने की कोशिश कीविश्वजीत को पिता के व्यवहार पर शक हुआ और उसने परिवार के अन्य सदस्यों को मौके पर बुलाया। परिवार के सदस्यों द्वारा कड़ी पूछताछ के बाद, उदय भानु आखिरकार टूट गया और उसने स्वीकार किया कि प्रियंका का शव घर के भीतर ही है। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और इस भयावह रहस्य से पर्दा उठा।

दीदी चीखी तो जीजू बोले- ब्रेकर था और फिर कट गया कॉल, कार में जिंदा जली प्रिया की मौत पर सवाल

बदायूं के उसहैत इलाके में शुक्रवार की रात लखनऊ से इलाज कराकर लौट रहे दंपती की चलती कार में अचानक आग लग गई। इस घटना में प्रिया भारद्वाज की जलकर मौत हो गई, जबकि उनके पति अर्पित भारद्वाज झुलस गए। मायके वालों ने प्रिया की मौत पर सवाल उठाए हैं। मृतका की बहन ने बताया कि घटना से करीब ढाई घंटे पहले प्रिया भारद्वाज की मौत पर उसके मायकेवालों ने सवाल उठाए हैं। मृतका की पहुंची थी। इसके दो मिनट बाद फिर कॉल आया तो उन्होंने प्रिया के चीखने से प्रिया की मौत हो गई है। जबकि उसके पति अर्पित भारद्वाज झुलस गए हैं। और उन्हें न्याय मिले।प्रिया का मायका गांव बल्लीपुर जिला लखीमपुर खीरी प्रिया से बात हुई थी। प्रिया ने बताया था कि शाहजहांपुर पहुंची है। अभी-आई। पीछे से जीजा ने कहा कि ब्रेकर पड़ गया था। इसके बाद देर रात फोन मंजिल से उतरकर नीचे आ सकती है तो आग लगने पर कार से क्यों नहीं साल पहले हुई थी दोनों की शादी-सोमन ने बताया कि वर्ष 2024 में प्रिया कि प्रिया लखनऊ में ऑपरेशन कराकर लौट रही थी। परिवार का कहना है अलग कमरा लेकर रहेगी, नहीं तो किसी दिन डिप्रेशन में चली जाएगी। अर्पित भारद्वाज जहां कादरचौक सीचएसी में ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के पद पर पहले ही बदायूं शहर में एक मकान भी खरीदा था। लखनऊ में प्रिया का

प्रिया ने फोन पर उनसे बात की थी। बदायूं के उसहैत इलाके में शुक्रवार रात कार हादसे में जान गंवाने बहन ने बताया कि हादसे से ढाई घंटे पहले उनकी प्रिया से फोन पर बात हुई थी। तब वह शाहजहांपुर की आवाज सुनी और तुरंत कॉल कट गया। फिर रात में डेढ़ बजे सूचना मिली कि कार में आग लगने मायकेवालों ने कोई आरोप नहीं लगाया लेकिन इतना जरूर कहा कि घटना की सच्चाई सामने आए का है। शनिवार को मोर्चरी पहुंची उसकी बहन सोनम ने बताया कि शुक्रवार रात साढ़े 11 बजे उनकी अभी हम दोनों ने खाना खाया है। फिर दो मिनट बाद कॉल आया तो दीदी के चीखने की आवाज आया तो बताया कि बहन की मौत हो गई है। जीजा झुलस गए हैं। सोनम ने कहा कि जब वह तीन निकल सकी।मृतका के परिजनों ने यह भी कहा कि इन दोनों में पहले मारपीट भी होती रही है।ढाई की शादी हुई थी। एक डेढ़ साल की बेटी है, जो दो दिन से दादा-दादी के पास है। सोनम ने बताया कि उनको न्याय मिले बस और कोई आरोप नहीं है। सोनम ने कहा कि बहन ने बताया था कि वह अर्पित ब्लॉक कोऑर्डिनेटर तो प्रिया थी एएनएम-पति-पत्नी दोनों स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत थे। है, तो वहीं प्रिया भमौरा जिला बरेली में एएनएम के पद पर कार्यरत थी। इन दोनों ने अभी कुछ दिन हुआ था पथरी का ऑपरेशन-मृतका प्रिया का बीते चार दिन पहले लखनऊ के एक अस्पताल में पथरी का ऑपरेशन कराया था। चार दिन से यह दंपती वहीं था। इसके बाद शुक्रवार रात पति, पत्नी कार से लौट रहे थे। इनकी डेढ़ साल की बेटी अर्पित के माता-पिता के पास थी। उसहैत गंगा घाट पर हुआ अंतिम संस्कार -कार में लगी आग से प्रिया का पूरा शरीर जल गया था। शरीर के कुछ अवशेष ही बचे, जिनका पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया। इसके बाद शनिवार शाम गंगाघाट पर शव का अंतिम संस्कार किया गया। मृतका के मायके व ससुराल पक्ष के बीच आपसी बातचीत भी चल रही है। यदि बात नहीं बनेगी तो इसमें पुलिस केस का भी मामला सामने आ सकता है।सीओ उझानी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अब तक महिला के मायके पक्ष की तरफ से पुलिस को कोई शिकायती पत्र नहीं दिया गया है। फिलहाल, यह अचानक कार में आग लगने से हुआ हादसा लग रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। यदि कोई शिकायत मिलती है तो केस दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई उसहैत पुलिस के स्तर से की जाएगी।यह थी घटना - उसहैत निवासी अर्पित भारद्वाज पत्नी प्रिया भारद्वाज (27 वर्ष) का पथरी का ऑपरेशन कराकर लखनऊ से लौट रहे थे। अर्पित के मुताबिक रात करीब 1-30 बजे उनकी निजी कार उसहैत थाना के ग्राम रहौटा के पास पहुंची थी, तभी उसमें आग लग गई। अर्पित ने कार को सड़क के किनारे रोका और किसी तरह खुद बाहर निकल आए। इसके बाद उन्होंने पीछे की सीट पर सो रही पत्नी प्रिया को बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। पत्नी को बचाने के प्रयास में अर्पित के हाथ और चेहरा बुरी तरह झुलस गया था। प्रिया की जिंदा जलकर मौत हो गई थी।

अंजना के घर शेखू खान, एक मतदाता के पांच बार नाम, हिंदू मुस्लिम का एक मकान; फाइनल वोटर लिस्ट में भी गड़बड़ी

बांदा जनपद में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से आगामी चुनावों के समीकरणों पर असर पड़ने की आशंका है। बांदा में फाइनल वोटर लिस्ट में भी अंधेरगर्दी देखने को मिली है। निर्वाचन आयोग की फिर किरकिरी हुई है।बांदा में एसआईआर के बाद जनवरी में जारी की गई कच्ची (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में सामने आईं तमाम गड़बड़ियों को उजागर किए जाने का कोई नतीजा नहीं निकला। माना जा रहा था कि निर्वाचन विभाग अपनी हुई इस फजीहत को अंतिम सूची में दुरुस्त कर लेगा लेकिन यह गलतफहमी साबित हुई।अब जारी हुई अंतिम सूची में भी वैसी ही तमाम अंधेरगर्दी की भरमार है। मतदाताओं की संख्या बढ़ाने को एक ही मतदाता का नाम उसी भाग संख्या (वार्ड) में पांच बार दर्ज करने का हथकंडा अपनाया गया है। हिंदू परिवार के साथ मुस्लिम और मुस्लिम के घर हिंदू मतदाता के नाम दर्ज कर दिए जाने की गलती भी बरकरार है। तमाम मकानों को कोई नंबर न देकर उन्हें शून्य की संख्या दिए जाने की पिछली गलती फिर दोहरा दी गई। ड्राफ्ट सूची प्रकाशन के बाद मीडिया और मतदाताओं द्वारा तमाम गड़बड़ियों को उजागर किया गया था। उम्मीद थी कि अंतिम सूची इन्हें सुधार कर जारी होगी पर निर्वाचन विभाग इस उम्मीद पर खरा नहीं उतरा। अंतिम सूची में भी यह गड़बड़ियां- शहर के भाग संख्या- 90 (अलीगंज पूर्वी) में मतदाता रानी सिंह पत्नी भीम सिंह का नाम क्रमांक 787, 792, 793, 794, और 795 पर अलग-अलग मकान दिखाकर पांच बार दर्ज किया गया है। दो मकानों में नंबर हैं और तीन घरों में नंबर के बजाय अलीगंज लिखा हुआ है। इसी भाग की सूची में मकान नंबर 168 में पड़ोसी हिंदू- मुस्लिम मतदाताओं को एक ही घर में रहना दिखाया गया है। इस मकान के रहने वाले नईम अहमद, शमा परवीन, अलीम आदि के साथ राजेश कुशवाहा, बबलू कुशवाहा व रचना कुशवाहा के नाम जोड़ दिए गए हैं। इसी तरह भाग - 124 (मर्दन नाका पूर्वी) में विनय कुमार के मकान नंबर 389 में नुसरत सिद्दीकी को शामिल कर दिया गया है। भाग संख्या- 122 की सूची के पहले पांच मकानों को कोई नंबर न देकर शून्य लिखा गया है। पहला नाम विनोद कुमार ढंढारिया का है। इसके अगले चार मकान मदन गोपाल, मो. उमर, विभू सोनी और शुभम रैकवार के हैं। अंजना दुबे के घर शेखू खान का नाम- एसआईआर में मतदाता सूची शुद्धीकरण का दावा किया गया था लेकिन जारी अंतिम मतदाता सूची खामियों से भरी है। अकबरपुर-रनियां विधानसभा में बूथ संख्या 114 में अंजना दुबे के घर में सपा के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नेता शेखू खान का नाम है। इतना ही नहीं शेखू खान की भाभी और भाई का नाम भी इसी घर में दर्ज है। शेखू खान कहते हैं कि मतदाता सूची में खुद का और परिजनों का नाम देखा जरूर है, लेकिन किसी और के घर में नाम दर्ज होने पर गौर नहीं किया। खामी दुरुस्त कराई जाए इसकी पहल करेंगे। सदर विधानसभा में सर्वाधिक नाम निकले, जलशक्ति मंत्री के क्षेत्र में सबसे कम कटौती बांदा जनपद में मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम हटाए जाने से आगामी चुनावों के समीकरणों पर असर पड़ने की आशंका है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के बाद जिले से कुल 1.19 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जो 2022 के विधानसभा चुनावों में विजयी विधायकों के जीत के अंतर से कई गुना अधिक है।बबेरू में विधायक विशंभर यादव के क्षेत्र से 32,299 मतदाताओं के नाम काटे गए, जबकि तिंदवारी राज्यमंत्री रामकेश निषाद के क्षेत्र से सबसे कम 16,358 नाम हटाए गए। प्रशासन ने इन कटौतियों का कारण दोहरे और गैर-निवासी मतदाताओं को सूची से हटाना बताया है। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मतदाताओं की संख्या में इतनी बड़ी कमी आगामी चुनावों के परिणामों को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकती है, खासकर भाजपा के गढ़ माने जाने वाले क्षेत्रों में। पुनरीक्षण से पहले जिले में 13.49 लाख मतदाता थे, जो अब घटकर 12.29 लाख रह गए हैं। अभियान के दौरान 1.75 लाख मतदाता संदेहास्पद पाए गए थे, जिनमें से 63,286 ने स्वयं को साबित किया और उन्हें सूची में जोड़ा गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार धर्मेंद्र ने बताया कि यह सूची सभी मतदेय स्थलों पर एक सप्ताह तक उपलब्ध रहेगी। विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता संख्या में आए बदलाव इस प्रकार हैं- विधानसभा क्षेत्र पुनरीक्षण पूर्व मतदाता संख्या पुनरीक्षण उपरांत मतदाता संख्या मतदाताओं में कमी- क्र0 सं0 विधानसभा क्षेत्र कुल जनसंख्या पुरुष जनसंख्या महिला जनसंख्या 1 बांदा सदर3,19,000 2,81,000 37,705 2 नरैनी 3,55,000 3,22,000 33,272 3 बबेरू 3,47,000 3,15,000 32,299 4 तिंदवारी 3,26,000 3,10,000 16,358 कुल मतदाता घटे, महिला मतदाता बढ़े- बांदा जिले में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान के बाद कुल मतदाताओं की संख्या में कमी आई है, जबकि महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है। इस अभियान के दौरान 63286 नए मतदाताओं के नाम जोड़े गए, वहीं 7499 नाम सूची से हटाए गए और 30169 मतदाता मृतक पाए गए। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुमार धर्मेंद्र ने बताया कि यह सूची एक सप्ताह तक सभी मतदेय स्थलों पर उपलब्ध रहेगी। नरैनी विधानसभा सीट पर कुल मतदाता 3.22 लाख हो गए हैं, जो पहले 3.55 लाख थे, यानी 33272 मतदाताओं की कमी आई है। यहां 10 थर्ड जेंडर मतदाता पंजीकृत हैं और 45329 मतदाता संदिग्ध पाए गए थे। सदर विधानसभा क्षेत्र में भी मतदाताओं की संख्या 3.19 लाख से घटकर 2.81 लाख हो गई है, जिसमें 37705 नाम काटे गए और 54101 संदिग्ध पाए गए। हालांकि, विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत सदर में 9429 महिला, 9536 पुरुष और एक अन्य मतदाता नए जोड़े गए हैं।

रील का खुमार: बुलेट पर लिखा पुलिस, हाथ छोड़कर किया स्टंट; महिला ने अपने साथ दूसरों की भी जान जोखिम में डाली

बाइक की नंबर प्लेट पर रजिस्ट्रेशन नंबर के बजाय बड़े अक्षरों में पुलिस लिखा हुआ है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि काले रंग की एक बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार महिला हाईवे पर तेज रफ्तार में है। महिला कभी मोटरसाइकिल को ऊपर रखकर लापरवाही से ड्राइविंग करती चढ़ा है कि अब लोग सड़कों पर अपनी और नेशनल हाईवे और शहर के व्यस्ततम इलाकों स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर महिला न केवल यातायात नियमों की धज्जियां है।वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है महिला हाईवे पर तेज रफ्तार में है। चौंकाने मोटरसाइकिल के हैंडल से दोनों हाथ हटा से ड्राइविंग करती नजर आती है। हद तो तब रजिस्ट्रेशन नंबर के बजाय बड़े अक्षरों में पुलिस प्रमुख काला आम चौराहे, दिल्ली रोड और पूरी स्टंटबाजी का वीडियो रिकॉर्ड कर रहा था, अपलोड किया जा सके। भारी वाहनों के बीच

के हैंडल से दोनों हाथ हटा लेती है, तो कभी अपने पैरों नजर आती है।युवाओं पर रील बनाने का खुमार इस कदर दूसरों की जान की परवाह भी नहीं कर रहे हैं। वहीं, अब में एक महिला द्वारा बुलेट मोटरसाइकिल पर जानलेवा तेजी से वायरल हो रहा है। रील बनाने की दीवानगी में उड़ा रही है, बल्कि मौत को भी खुला निमंत्रण दे रही कि काले रंग की एक बुलेट मोटरसाइकिल पर सवार वाली बात यह है कि स्टंट के दौरान महिला कभी लेती है, तो कभी अपने पैरों को ऊपर रखकर लापरवाही हो गई जब यह देखा गया कि बाइक की नंबर प्लेट पर लिखा हुआ है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो शहर के नेशनल हाईवे के बीच का है। महिला का एक साथी इस जिससे कि उसे सोशल मीडिया पर रील के तौर पर इस तरह की कलाबाजी किसी भी वक्त बड़े हादसे का सबब बन सकती थी। हाईवे पर चल रहे अन्य राहगीर भी इस महिला की लापरवाही देख दंग रह गए।पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल- शहर के व्यस्ततम चौराहों पर इस तरह पुलिस लिखी बाइक पर सरेआम स्टंटबाजी होना पुलिस की गश्त और मुस्तैदी पर भी सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चंद लाइक्स और व्यूज के चक्कर में युवा अपनी जिंदगी दांव पर लगा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद अब लोग पुलिस प्रशासन से इस स्टंटबाज महिला और उसके साथी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, जिससे कि सड़कों पर बढ़ती इस अराजकता पर लगाम लगाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

बहु बेटी जागरूकता कार्यक्रम कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /मिशन शक्ति फेज 5.0 चरण ड्यूटी , एंटी रोमियो, अभियान के तहत मिशन शक्ति टीम द्वारा ग्राम निबिया बेगमपुर थाना

मटेरा जनपद बहराइच मे बहु बेटी जागरूकता कार्यक्रम कर महिलाओ एवं लड़कियों को मिशन शक्ति, यातायात तथा साइबर अपराध के बारे मे जागरूक किया गया तथा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी दी गई तथा सरकारी योजनाएं *जैसे कन्या सुमंगला योजना,मातृ वंदना योजना,वृद्धा पेंशन योजना,आयुष्मान प्रधानमंत्री,विधवा पेंशन योजना उज्जवला योजना व बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी मिशन शक्ति टीम उ0नि0श्री अजीत मौर्या हे कांस्टेबल दिग्विजय सिंहहे कांस्टेबल वीरेंदर गुप्ताम0 आ 0निधि पासवानथाना मटेरा जनपद बहराइच

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

अधिवक्ता का लाइव कत्ल: हाथ क्षतिग्रस्त, पांच हड्डियां टूटीं, लिवर के पास से आर-पार हुई गोली; आरोपी का एनकाउंटर

मिर्जापुर की सद्भावना नगर कॉलोनी में टहल कर घर लौट रहे पूर्व प्रधान व अधिवक्ता की तमंचे से सीने में गोली मारकर हत्या कर दी। करीब 15 घंटे बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी राजेंद्र सोनकर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मिर्जापुर के कटरा कोतवाली इलाके की सद्भावना नगर कॉलोनी में शनिवार की सुबह सवा सात बजे टहल कर में गोली मारकर हत्या कर दी। करीब 15 घंटे बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी राजेंद्र शनिवार रात सवा 10 बजे हुई मुठभेड़ में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। सोनकर पर पुलिस ने 50 हजार का इनाम घोषित किया था।उस पर पहले से छह कोतवाल वैद्यनाथ सिंह फोर्स के साथ पहुंचे। पुलिस को देखकर आरोपी फायरिंग गिरफ्तार कर लिया गया है।राजेंद्र सोनकर अधिवक्ता राजीव सिंह के गांव का ही ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साथी अधिवक्ता और समर्थक पोस्टमार्टम हाउस पहुंच कौशिक भी पहुंच गईं। शव वाहन रोककर आयुक्त व डीएम से धक्का-मुक्की कर पुलिस टीम ने नापी की है। अधिवक्ता आरोपी का घर बुलडोजर से गिराए जाने की विवाद हुआ था। परिजनों ने नामजद तहरीर दी है। राजेंद्र सोनकर व उसके अज्ञात राजीव सिंह उर्फ रिंकू 2011 से कटरा कोतवाली क्षेत्र के कतवारू का पुरा मोहल्ले में

घर लौट रहे पूर्व प्रधान व अधिवक्ता राजीव सिंह उर्फ रिंकू (50) की आरोपी राजेंद्र सोनकर ने तमंचे से सीने सोनकर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कटरा कोतवाली क्षेत्र में पीएसी परिसर के पीछे पहाड़ी पर उसके पास से दो तमंचे बरामद हुए। एएसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी राजेंद्र प्राथमिकी भी दर्ज थी। पुलिस की पांच टीमें लगी थीं। सूचना मिली कि राजेंद्र पहाड़ी पर छिपा है। कटरा कर भागने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में राजेंद्र सोनकर के दोनों पैरों में गोली लगी। इसके बाद उसे रहने वाला है। वहीं, परिजन और मोहल्ले के लोग अधिवक्ता को मंडलीय अस्पताल लेकर गए, जहां डाक्टरों गए। सूचना पर आयुक्त राजेश प्रकाश, आईजी आरपी सिंह, डीएम पवन कुमार गंगवार, एसपी अपर्णा रजत दी।पुलिस ने हालात काबू किए। घटना के बाद डंगहर में हत्या आरोपी के मकान की दोपहर में राजस्व व मांग कर रहे थे।एसपी के अनुसार, गांव की किसी बात को लेकर अधिवक्ता और आरोपी के बीच पूर्व में साथी के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है।विंध्याचल थाना क्षेत्र के देवरी गांव निवासी पूर्व ग्राम प्रधान सद्भावना नगर कॉलोनी में अपने मकान में रहते थे। रोजाना की तरह महुवरिया जीआईसी मैदान से टहल कर वह करीब सवा सात बजे घर से कुछ दूर पहले बृजेश कुमार मिश्र के मकान के पास खड़े होकर बात कर रहे थे, तभी राजेंद्र सोनकर वहां बाइक से आया और राजीव सिंह को जय राम बोल कर आगे बढ़ गया।राजीव के साथ टहलने गए लोग जब जाने लगे तो राजेंद्र अपने साथी के साथ बाइक से आया। 10 कदम दूर बाइक खड़ी कर दी। डिकी से तमंचा निकाल कर राजीव सिंह के सीने से सटाकर गोली मार दी। अधिवक्ता ने हाथ से रोकने का प्रयास भी किया, लेकिन तब तक गोली सीने में धंस चुकी थी।इस दौरान सुबह वारदात के समय भागते वक्त आरोपी राजेंद्र के साथी से बाइक चालू नहीं हुई। अधिवक्ता की हत्या के बाद आरोपी राजेंद्र ने किक मारकर बाइक स्टार्ट की और साथी के साथ भाग निकला। पीएम रिपोर्ट: दायां हाथ क्षतिग्रस्त, 5 हड्डियां टूटीं- डॉ. पवन और डॉ. अखिलेश ने पोस्टमार्टम किया। वीडियोग्राफी भी कराई गई। गोली चलते समय राजीव ने हाथ तमंचे को रोकने के लिए आगे लगाया था। गोली हाथ को चीरते हुए सीने के पार हो गई। दाहिना हाथ क्षतिग्रस्त हो गया। गोली लिवर के पास से होकर आर-पार हो गई। आगे की तीन और पीछे की दो हड्डियां टूट गई थीं।पोस्टमार्टम हाउस पर अधिवक्ताओं हंगामा- अधिवक्ता राजीव सिंह की हत्या के बाद साथी अधिवक्ताओं में गुस्सा भड़क गया। पोस्टमार्टम हाउस पर शव पहुंचने के बाद अधिवक्ता जुटने लगे। शनिवार होने के कारण कचहरी बंद थी तो अधिवक्ता बिना काले कोट के ही पहुंच गए। पोस्टमार्टम हाउस पर राजीव सिंह के परिवार, समर्थकों और अधिवक्ताओं की भीड़ लग गई थी। गोली मारने वाले आरोपी पर कार्रवाई के लिए नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ अधिवक्ता पोस्टमार्टम हाउस के बाहर धरने पर बैठ गए। मौके पर आयुक्त राजेश प्रकाश, आईजी आरपी सिंह, डीएम पवन गंगवार, एसपी अपर्णा रजत कौशिक कई थानों के फोर्स के साथ डटी रहीं। दोपहर में सवा 12 बजे जब एंबुलेंस से शव घर ले जाया जा रहा था तो अधिवक्ताओं ने रोक लिया।राजीव दो बार और उनकी पत्नी रह चुकी हैं प्रधान- ग्रामीणों व समर्थकों के अनुसार, राजीव सिंह बहुत मिलनसार थे। उनके घर में लगातार तीन बार से प्रधानी थी। दो बार राजीव सिंह प्रधान थे। पिछले बार उन्होंने प्रधानी लड़ने से मना किया तो गांव के लोगों ने प्रधानी लड़ने के लिए मनाया। इसके बाद महिला सीट होने पर उन्होंने अपनी पत्नी प्रतिभा सिंह को चुनाव में उतारा। जीत हासिल की। राजीव तीन भाइयों में छोटे थे। उनके दो पुत्र हैं। बड़ा पुत्र (19) वाराणसी में नीट की तैयारी करता है। घटना की सूचना मिलने पर वह 11 बजे घर पहुंचा। छोटा बेटा कक्षा छह का छात्र है।पैतृक आवास पर जुटी समर्थकों की भीड़, तैनात रही फोर्स- पैतृक गांव देवरी में राजीव सिंह का शव पहुंचते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। शव देखते ही पत्नी प्रतिभा सिंह, पुत्र ओम सिंह व सार्थक सिंह के रूदन से लोग आंसू नहीं रोक पाए। शोक की लहर के साथ मातम पसरा रहा। लोगों की जुबान पर एक ही बात थी कि राजीव बड़े ही मिलनसार व अच्छे स्वभाव के थे। उनकी हत्या क्यों की। एसडीएम सदर गुलाब चंद, दो क्षेत्राधिकारी सहित पीएसी व कई थानों की फोर्स मौजूद रही। राजीव के बड़े भाई धनंजय सिंह व संजीव सिंह बाहर रहते हैं। जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अभयराज सिंह, सचिव जंगबहादुर सिंह, खंड विकास अधिकारी रामपाल, एडीओ पंचायत बृजेश सिंह अमर बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान संगठन के अध्यक्ष संतोष कुमार तिवारी, विनोद यादव सरोज आदि रहे।हत्या के बाद से टीम लगातार दबिश दे रही थी। मुख्य आरोपी पकड़ा गया है। उसके साथी की भी पहचान हो गई है। उसके लिए टीमों को लगाया गया है। जल्द उसे भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।-अपर्णा रजत कौशिक, एसपी

Are you undermining your own self-worth? To earn respect, give up these 5 habits immediately.

Whether people respect you or not is in your hands. Therefore, to gain respect, it's essential to improve certain habits. Not sticking to your word diminishes your value in others. Being constantly available diminishes your self-worth. Refrain from gossiping or speaking ill of others. Respect is not demanded, but earned. However, we often complain that the other person isn't giving us the importance we deserve. This makes us consider the other person arrogant or rude, but often the fault lies within ourselves. Some of our habits also cause others to disrespect us, because our behavior teaches others how to treat us. If you also feel that people ignore what you say or don't take you seriously, you may be making one of these five mistakes. Not sticking to your word - We respect only those we can trust. If you make big promises to people but don't fulfill them when the time comes, people gradually lose trust in you. When your words lose their value, a person's respect automatically diminishes. So think before saying yes, and if you have already said yes, then follow through. Being too available - It may sound strange, but people often undervalue a person who is always available to everyone. This is called the scarcity principle. When you abandon your priorities and immediately rush to do small tasks for others, people consider it your duty, not your kindness. Setting boundaries and sometimes saying no is crucial to gaining respect. Speaking ill of others or gossiping - If you speak ill of a third person in front of others, the listener immediately thinks that tomorrow they will speak ill of me to someone else. People keep a gossiper around for entertainment, but they never respect them. Making fun of themselves - There's a fine line between humility and self-respect.

Some people, in order to appear cool, constantly make fun of themselves or apologize excessively for everything. When you don't respect yourself or underestimate yourself, the world views you through the same lens. Giving unsolicited advice and self-praise - Imposing your opinion on everything or talking about yourself in every conversation irritates people. When you don't give others a chance to speak and remain engrossed in your own thoughts, people tend to shy away from you. Respect is earned by those who listen carefully to others and offer suggestions only when necessary.

Add a sweet and sour flavor to your lunch, try these 6 jaggery-based vegetables; everyone will ask for the recipe.

These jaggery-based vegetables will make your meal even more delicious. Jaggery gives vegetables a sweet and sour taste. It helps improve digestion, provides energy, and purifies the blood. Six vegetables like pumpkin, bitter gourd, and ridge gourd are made with jaggery. Jaggery is a treasure trove of Indian cuisine, providing both taste and health. Especially when added to vegetables, the sweet and sour flavor is a delight for everyone. Jaggery-based vegetables are a favorite from North India to Gujarat and Maharashtra. They are not only delicious but also help maintain good digestion, provide energy, and purify the blood. Let's learn about some jaggery-based vegetables that will be a hit with everyone in your home. These vegetables taste delicious with jaggery: Pumpkin curry - In many parts of North India, pumpkin curry is prepared with jaggery. Adding asafoetida, cumin, ginger-garlic, and a little mango powder, along with jaggery, gives it a sweet and sour flavor. It's a great choice with puris or parathas. Bitter gourd with jaggery sabji - The bitterness of bitter gourd isn't everyone's cup of tea, but cooking with jaggery enhances its flavor. Jaggery balances the bitterness of bitter gourd, making this dish not only delicious but also helpful in controlling diabetes. Tinda ki Sabji - People often consider tinda sabji bland, but adding jaggery and tamarind to it doubles its flavor. This spicy, sweet and sour flavor will be enjoyed by everyone in the family. Cluster Beans Sabji - In Gujarat and Maharashtra, cluster beans are prepared with jaggery. Adding peanut powder and spices along with jaggery makes this dish extremely flavorful and goes perfectly with both rice and roti. Bottle gourd sabji - People often consider bottle gourd sabji boring, but adding jaggery

and tomatoes to it transforms its flavor. A slight tang and sweetness make it a great dinner option. Baingan ki Sabzi - Baingan ki Sabzi is typically cooked with jaggery in Maharashtra. Mixing jaggery with spices, coconut, and peanuts creates a thick and delicious dish. It's typically eaten with jowar bhakri or millet roti. These jaggery-based vegetables not only enhance the flavor of food but are also beneficial for health. They offer a sweet and sour combination that will be enjoyed by both children and adults. So, the next time you plan to prepare a special dinner or lunch at home, be sure to try one of these vegetables.

Beta-blockers are no longer needed for life after a heart attack, new research reveals significant findings.

If it's believed that heart attack patients are forced to rely on medication for life, a new study brings some good news. Beta-blockers are no longer needed for life after a heart attack. Low-risk patients can discontinue the medication after one year. A South Korean clinical trial involving 2,540 patients has revealed that patients who have recovered from a heart attack and are stable and low-risk may no longer need to take beta-blockers for life. Such patients can discontinue these medications after one year. How was this study conducted? The results of this important research were presented at a meeting of scientists from the American College of Cardiology in New Orleans. Furthermore, this study has also been published in the prestigious medical journal, The New England Journal of Medicine. Researchers included a total of 2,540 patients in this trial who had previously suffered a heart attack and were receiving beta-blockers like metoprolol and atenolol. The researchers found that patients who stopped taking beta-blockers after 12 months fared similarly to those who continued taking them. The patients' health was monitored for an average of 3.5 years. The results showed that only 7.2 percent of patients who stopped taking the medication experienced serious or adverse heart-related events (such as death, a second heart attack, or hospitalization for heart failure). In contrast, 9 percent of patients who continued taking the medication experienced such serious problems. What do beta-blockers do? Beta-blockers are medications that primarily work to lower a patient's heart rate and blood pressure. These medications have long been considered a mainstay of treatment for protecting the heart after a heart attack and preventing future heart problems. This new research has made it clear that low-risk patients do not need to rely on these medications for life, which is a great relief for those recovering from a heart attack.

The challenge of earning a living...' Archana Puran Singh, who once yearned for work, is choosing roles beyond comedy.

Actress Archana Puran Singh has opened up about the fifth season of The Great Indian Kapil Show and her career. She is moving away from comedy roles. Archana is choosing new and challenging roles beyond comedy. She has worked with Vikrant Massey and Rajkummar Rao in films and web series. She believes in taking risks and facing challenges in her career. The fourth season of the comedy show 'The Great Indian Kapil Show' has concluded, and preparations are underway for the next one. Archana Puran Singh, who is establishing herself not just as a comedian but as a complete artist, is now at a new stage in her career, where she is taking on several projects... Actress Archana Puran Singh is now at a new stage in her career, where she is establishing herself not just as a comedian but as a complete artist. She believes that without taking risks, neither can one innovate nor progress. Archana will work until the very end. The fourth season of the comedy show "The Great Indian Kapil Show" has concluded. Archana has several projects lined up for release before the next season. Archana says, "I know I'll keep working until the very end. Acting doesn't feel like work to me, because I enjoy it." Archana never gives up: "It's true that I wasn't able to do many films before because Kapil Sharma's show used to shoot 100 episodes a year, and I didn't have time. Yet, I never gave up on acting. Once an artist, they always remain artists. Now, after a long time, I'm working extensively as an artist, though I'm only accepting offers that I enjoy." Actress choosing roles outside of comedy: Is it still difficult for Archana to find roles outside of comedy? She says, "I haven't done comedy roles in my upcoming films and series." It's a huge victory for me as an artist that the makers now see me not just as a comedian, but as an artist. Archana Puran Singh will be seen in Toaster - I recently completed shooting a film with Vikrant Massey. Furthermore, working on the web series "Adarsh ??Bal Vidyalaya" was a satisfying experience. It was my dream to work with Rajkummar Rao, and that was fulfilled with the film "Toaster." I'm learning a lot from working with young and dedicated actors like Rajkummar and Vikrant. It's also great when my energy blends with theirs. The actress, who once yearned for work - looking back on her career over the years, which stage of her career seems the most challenging now? Archana says that reaching every stage has its own challenges. When I didn't get work, there was the challenge of earning a living. When I didn't get good work, there was the challenge of staying in this industry. When I had children, balancing motherhood and career became challenging. Challenges came at every turn, but true success lies in overcoming them without fear or giving up. Archana's distance from YouTube: Recently, Archana took a break from her YouTube channel. Didn't this move seem risky, fearing that subscribers would drift away? Archana says, "In the past year, I've made two films, two OTT series, and nearly a hundred YouTube episodes. I did all this while I had a broken arm and was also suffering from a very painful condition called CRPS (Complex Regional Pain Syndrome, a type of chronic pain that typically affects the arms or legs). I took a risk at the age of 20: The real risk was that if I hadn't taken a break, I might have broken myself. Without taking risks, you can't muster the courage to try new things or move forward. I've always done something different in my life. I moved to Mumbai alone at the age of 20. What bigger risk could there be than that?" The biggest risk my parents took was their trust in me. I consider it more of a risk than a risk. Starting a new journey on YouTube: My endeavor is to bring something new to my YouTube audience. We've discussed many ideas at home. Some people like one idea, others don't. We've been able to agree on a couple of such ideas. It takes time to create anything well. I hope my viewers will wait patiently for us. The Great Indian Kapil Show is heading into its fifth season. Does each season give Archana a sense of financial security? Agreeing, she says, "This show has been a very important part of my life, giving me financial security over the years, along with immense respect and the love of the audience."

"I didn't know karma..." Katy Perry shares romantic photo with Justin Trudeau, caption catches attention

Hollywood pop singer Katy Perry shared a romantic photo with boyfriend Justin Trudeau, and fans are urging the couple to tie the knot soon. Katy Perry shared new photos with Justin Trudeau, both seen "twinning" in black. Will pop singer Katy Perry tie the knot soon? American pop singer Katy Perry is currently in the news for both her professional life and her love life. She is dating former Canadian Prime Minister Justin Trudeau. Recently, the singer shared another love-filled photo with Justin, and fans are showering the couple with love. Katy and Justin seen "twinning" in black. Katy Perry shared a series of photos on her official Instagram account on April 7th. In the first photo, Katy looks stunning in an off-shoulder black dress. In another, she's holding a piece of paper that reads: "The stage is set, many new opportunities are coming your way soon - Good Fortune." She also shared a stage performance and a mirror selfie. However, the photo that's garnering the most attention from fans is a photo of her twinning with Justin Trudeau in a black dress. In this photo, Justin is looking at the camera, and Katy is smiling lovingly at him. Sharing these photos, Katy captioned them with lyrics from one of her songs, "I didn't know karma could be so rewarding." Katy Perry and Justin Trudeau made their relationship official in 2025. Fans are showering love on this photo of them twinning, calling them the "best couple." One user commented, "You and Justin look amazing together." Another user wrote, "You two should get married as soon as possible." Let us tell you that former Canadian Prime Minister Justin Trudeau and Katy Perry made their relationship official in 2025. In December 2025, they officially acknowledged their relationship on Instagram. However, earlier in October, photos of the couple kissing on a yacht went viral. Now, reports are surfacing that the couple may soon tie the knot.

A 1-hour, 59-minute film caused a stir upon its release on Netflix, becoming a top trending action thriller.

An action thriller film has created a stir upon its release on Netflix. The film is trending in the top 10 list. A 1-hour, 59-minute action thriller film has created a stir on OTT platforms - after its theatrical release, the film became a hit on OTT platforms. Action thrillers have always been popular, and with the rise of OTT popularity, it has become a convenience for movie lovers. Now, action movies can be enjoyed from the comfort of their homes. That's why we keep our viewers updated on new movies, especially when they are trending on OTT platforms. The action thriller film we're talking about today is Sri Vishnu-starrer "Mrithyunjay." This action thriller is trending on Netflix's Top 10 list. Although the film underperformed at the box office, it's creating a stir on OTT platforms. What's the story? The action thriller tells the story of a cheerful journalist, Jai, who works as a obituary editor, but dreams of becoming a crime investigative journalist one day. One day, he encounters the death of a man named Achyut Sharma. Feeling sympathetic towards Anjali, he promises his daughter Anjali that he will solve the mystery of her father's murder. Meanwhile, ACP Sita is working on a case to solve murders in the city, but the Police Commissioner pressures her to close them by calling them accidents. Jai and Sita work together to solve these cases and capture the notorious, yet extremely agile, contract killer, "Sadhu." Mrithunjay (5) About the movie - Mrithunjay is a 2026 Telugu action thriller film directed by Hussain Shah Kiran and starring Sri Vishnu and Reba Monica John. The film was released in theaters on March 6, 2026, and is now available on Netflix on April 3. The film is currently trending at number 2 in the top 10.